मासिक पत्रिका

वर्ष–01, अंक नं. 01

जयपुर टाइम्स

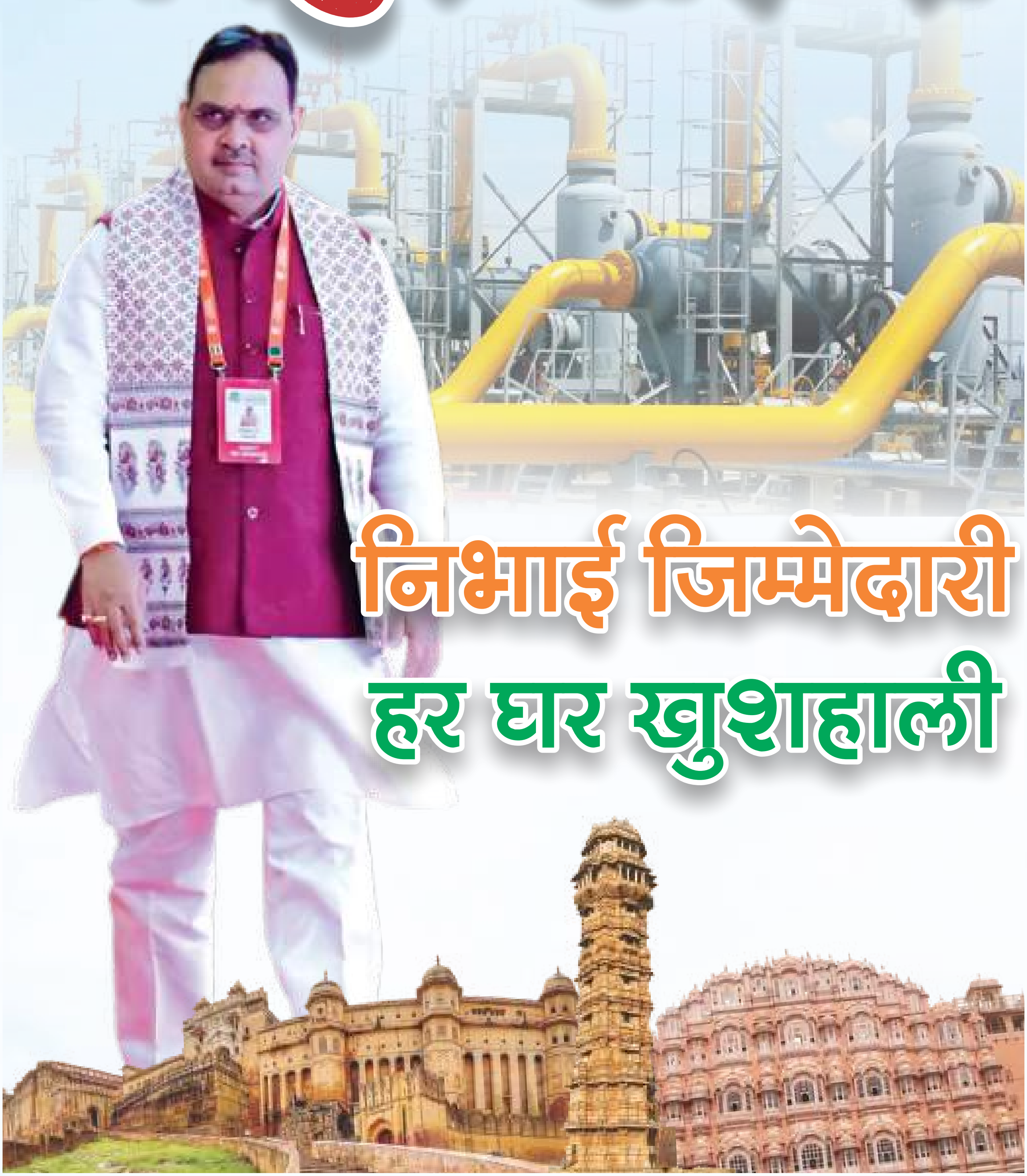

निभाई जिम्मेदारी हर घर खुशहाली

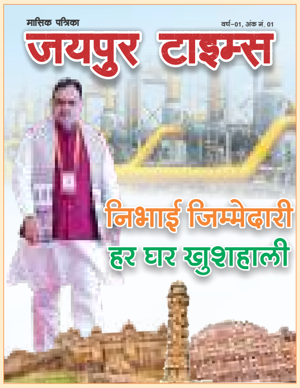

प्रकाशक, मुद्रक
रामेश्वर लाल जाट

संपादक
नीतू चौधरी

उप संपादक
रूपचंद गुर्जर, रोहित शर्मा

ग्राफिक डिजाईनर
रजत जाखड़

स्वत्वाधिकारी

केम्ब्रिज मल्टी मीडिया के लिए प्रकाशक, मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा केम्ब्रिज मल्टी मीडिया प्रा.लि. सी-565, सी-4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड़, सीकर रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं सी-565, सी-4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड़, सीकर रोड़ जयपुर से प्रकाशित

संपर्क
संपादक
जयपुर टाइम्स (मासिक)
सी-588, सी-4सी स्कीम,
न्यू लोहा मण्डी रोड़
जयपुर-302013

E-mail
jaipurtimes2007@gmail.com

website
www.jaipurtimes.org

मो. 7014217770

मूल्य:- 100/- प्रति अंक

वर्षः 01, अंक 01 | मई, 2025

इस अंक में

सुधी पाठकों के लिए...........	03
शुभकामना संदेश	04-20
राज्यपाल महोदय	04
मुख्यमंत्री महोदय	05
केंद्रीय मंत्री डॉ. भूपेंद्र यादव	06
राज. प्रदेश प्रभारी मदन राठौड़	07
हरि. प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां	08
पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र राठौड़	09
राज्य मंत्री संजय शर्मा	10
राज्य मंत्री झाबरसिंह खर्रा	11
राज्य मंत्री सुमित गोदारा	12
राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म	13
पूर्व राज्य मंत्री कैलाश चौधरी	14
महंत त्रिलोकीनाथ महाराज	15
पूर्व राज्य मंत्री अरूण चतुर्वेदी	16
राज. विधानसभा सदस्य कालीचरण सर्राफ	17
Neuro Care Hospital, N.C. पूनियां	18
श्री 1008 महामंडलेश्वर मनोहरदास महाराज	19
पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा अलवर, धर्मवीर शर्मा	20
भजन के मीठे भजनों	21
350 मिलियन डॉलर तक........	24
महिला उत्थान के लिए..........	26
अंत्योदय से बदली फिजा.......	29
युवाओं के सुनहरे भविष्य......	34
किसान सम्मान निधि की राशि.....	39
राम जल सेतु लिंक परियोजना......	47
डॉ. सतीश पूनियां भाजपा के स्तंभ...	50
शेखावाटी के सिरमौर राजेंद्र राठौड़...	52
उप मुख्यमंत्री दिया कुमार पीएम का विजन...	53
वसुंधरा राजे और भूपेंद्र यादव...........	54
ऑपरेशन सिंदूर.................	56

भजन के मीठे भजन **21**

2030 तक राजस्थान की अर्थव्यवस्था **24**

युवाओं का भविष्य **34**

किसान सम्मान निधि **39**

राम जल सेतु परियोजना **47**

ऑपरेशन सिंदूर **56**

सुधी पाठकों के लिए जयपुर टाइम्स का विशेष संदेश

''जनता की आवाज और सामाजिक चेतना का नया अध्याय: जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका''

वर्ष 2007 में जब हमने जयपुर टाइम्स समाचार पत्र की नींव रखी थी, तब हमारा एक ही उद्देश्य था – आम जनता की आवाज़ को मंच देना, सच्ची पत्रकारिता की लौ को जलाए रखना और उन मुद्दों को उठाना जिन्हें मुख्यधारा की मीडिया अक्सर अनदेखा कर देती है। बीते वर्षों में जयपुर टाइम्स ने जिस प्रकार जनसमर्थन और विश्वास प्राप्त किया है, वह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। आज यह समाचार पत्र राजस्थान के कई जिलों में सफलता से प्रसारित हो रहा है और जनमानस की धड़कन बन चुका है।

इस निरंतर मिल रही प्रेरणा और पाठकों की अपेक्षाओं ने हमें एक नई पहल करने का साहस और ऊर्जा दी है। उसी क्रम में अब हम जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ कर रहे हैं। यह पत्रिका सिर्फ एक नया प्रकाशन नहीं है, बल्कि पत्रकारिता में एक सार्थक और वैचारिक विस्तार है, जो वर्तमान समाज की गहराइयों तक जाकर मुद्दों को उजागर करेगी और पाठकों को विश्लेषणात्मक, तथ्यपरक तथा वैचारिक सामग्री उपलब्ध कराएगी।

आज जब देश और समाज तेज़ी से बदल रहे हैं, तब पत्रकारिता की भूमिका और भी अहम हो जाती है। जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका का उद्देश्य समाचारों से आगे जाकर, समाज में सकारात्मक विमर्श को बढ़ावा देना होगा। यह पत्रिका किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं, विद्यार्थियों, बुद्धिजीवियों और उन सभी वर्गों की बात करेगी, जिनकी आवाज़ कहीं खो सी जाती है।

हम यह भलीभांति जानते हैं कि आज की पत्रकारिता अनेक चुनौतियों से जूझ रही है। आर्थिक दबाव, राजनैतिक हस्तक्षेप, और तथाकथित टीआरपी की दौड़ ने पत्रकारिता के मूल्यों को झकझोर कर रख दिया है। ऐसे समय में आवश्यक हो जाता है कि हम अपने दायित्वों को पुनः परिभाषित करें और पत्रकारिता को केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम मानें। जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका इसी सोच की उपज है। इसमें न केवल समसामयिक मुद्दों की गहराई से पड़ताल की जाएगी, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक व आर्थिक विषयों पर गंभीर विचार प्रस्तुत किए जाएंगे।

हमारी पत्रिका में प्रदेश और देश की नीतियों की समीक्षा, सामाजिक विसंगतियों पर प्रहार, आमजन के अनुभवों की प्रस्तुति, युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने वाले लेख, महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित सामग्री, ग्रामीण भारत की तस्वीर, लोक संस्कृति की महक, और लेखकों की मौलिक सोच का समावेश होगा। साथ ही, यह मंच उन ग्रामीण और कस्बाई लेखकों, पत्रकारों और विचारकों के लिए भी खुला रहेगा, जिनकी कलम में सच्चाई है लेकिन उन्हें मंच नहीं मिलता।

जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका का एक विशेष उद्देश्य यह भी रहेगा कि यह जन-जागरूकता का माध्यम बने। चाहे वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज़ हो या शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों पर सार्थक बहस – हमारी पत्रिका सदैव जनता के साथ खड़ी रहेगी। हम ऐसी पत्रकारिता करना चाहते हैं, जो चुपचाप देखने वाली नहीं, बल्कि बोलने, समझाने और बदलने वाली हो।

पत्रिका के माध्यम से हम आने वाली पीढ़ी को भी यह संदेश देना चाहते हैं कि पत्रकारिता केवल सूचनाओं को परोसने का काम नहीं है, बल्कि यह समाज के निर्माण की एक बुनियादी शक्ति है। जब तक लेखनी में नैतिकता, संवेदना और साहस होगा, तब तक लोकतंत्र जीवित रहेगा और पत्रकारिता का अस्तित्व सार्थक रहेगा।

हम अपने सभी पाठकों, शुभचिंतकों और सहयोगियों से अपील करते हैं कि वे इस नई यात्रा में हमारे साथ कदम से कदम मिलाकर चलें। जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका को आपकी भागीदारी, सुझाव और समर्थन की आवश्यकता है, क्योंकि यह पत्रिका आपकी अपनी आवाज़ है।

अंत में, मैं यही कहना चाहूंगा कि यह सिर्फ एक पत्रिका नहीं, एक आंदोलन है – विचारों का, सच्चाई का और सामाजिक परिवर्तन का। आइए, मिलकर इसे सफल बनाएं।

–प्रधान संपादक

रामेश्वरलाल जाट

हरिभाऊ बागडे
राज्यपाल, राजस्थान

Haribhau Bagde
Governor, Rajasthan

सत्यमेव जयते

दिनांक : 8 मई, 2025

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि दैनिक जयपुर टाइम्स द्वारा 'जयपुर टाइम्स पत्रिका' का प्रकाशन किया जा रहा है।

पत्रकारिता जीवन का आलोक है। लोकतंत्र की सशक्त कड़ी के रूप में यह आमजन को उसके अधिकारों के प्रति सजग करने के साथ ही कर्तव्यों के लिए प्रेरित करता है। इसीलिए पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ माना गया है। 'जयपुर टाइम्स' प्रतिष्ठित समाचार पत्र है। इसकी पत्रिका भी स्वस्थ पत्रकारिता मूल्यों के साथ पाठकों के लिए उपयोगी सामग्री लिए प्रकाशित होगी, ऐसा विश्वास है।

मेरी हार्दिक शुभकामनाएं हैं।

(हरिभाऊ बागडे)

राज भवन, सिविल लाइन्स, जयपुर–302006
Raj Bhawan, Civil Lines, Jaipur-302006
दूरभाष : 0141–2228716–19, 2228611–12, 2228722

सत्यमेव जयते

मुख्य मंत्री
राजस्थान

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि जयपुर टाइम्स समाचार पत्र द्वारा अब ''जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका'' का प्रकाशन प्रारंभ किया जा रहा है। यह पहल न केवल मीडिया के क्षेत्र में एक रचनात्मक विस्तार है, बल्कि जनजागरण के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है।

आज का युग सूचना और संवाद का है। लोकतंत्र में जागरूक नागरिकों की भूमिका जितनी अहम है, उतनी ही अहम भूमिका जवाबदेह और जिम्मेदार पत्रकारिता की भी है। जब मीडिया केवल समाचार देने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सामाजिक चेतना, लोक-शिक्षा और सकारात्मक विमर्श को आगे बढ़ाता है, तब वह वास्तविक चौथा स्तंभ बनता है।

जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका इस दिशा में एक सार्थक पहल है, जो न केवल प्रदेशवासियों को राज्य सरकार की नीतियों एवं योजनाओं की जानकारी देगी, बल्कि राजस्थान की लोकसंस्कृति, लोककला तथा विकास यात्रा को भी जनमानस तक पहुंचाने का कार्य करेगी।

मुझे आशा है कि जयपुर टाइम्स पत्रिका अपनी रचनात्मकता, निष्पक्ष दृष्टिकोण और जनहितकारी सोच के साथ एक गंभीर, प्रभावशाली और भरोसेमंद मंच के रूप में स्थापित होगी।

मैं पत्रिका की संपूर्ण टीम को इस नई यात्रा के लिए बधाई देता हूं और इसके सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(भजन लाल शर्मा)

मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
भारत सरकार

भूपेन्द्र यादव
BHUPENDER YADAV

MINISTER
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
GOVERNMENT OF INDIA

क्रमांक: SCR/6/2025/254 दिनांक: 23 अप्रैल, 2025

प्रिय श्री रामेश्वर लाल जाट जी,

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि जयपुर टाइम्स समाचार पत्र के बाद अब आप 'जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका' का प्रकाशन प्रारम्भ करने जा रहे हैं।

आपकी संस्था जयपुर एवं चूरू में जनसमस्याओं, सामाजिक सरोकारों एवं सकारात्मक पत्रकारिता के लिए पहचान बना पत्रकारिता जगत में अब एक नया अध्याय लिखने जा रही है। मैं इस मासिक पत्रिका की सफलता की कामना करता हूँ और आपके साथ आपकी पूरी टीम को बधाई देता हूँ।

आप अपने संस्थान के विभिन्न प्रकाशनों से देश की प्रगति में अपना योगदान देते हुए भारतीय लोकतंत्र को मज़बूती प्रदान कर सकें, मैं ऐसी कामना करता हूँ।

(भूपेन्द्र यादव)

श्री रामेश्वर लाल जाट
संपादक, जयपुर टाइम्स
सी-588,4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड
सीकर रोड, जयपुर (302013)
मो. 7014217770

पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली-110003, फोन : 011-20819190, 011-20819187
Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110003, Tel : 011-20819190, 011-20819187
ईमेल / E-mail : mefcc@gov.in

मदन राठौड़
सांसद (राज्यसभा)
प्रदेशाध्यक्ष

सत्यमेव जयते

भारतीय जनता पार्टी
राजस्थान

30 अप्रेल, 2025

:: शुभकामना संदेश ::

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि जयपुर टाइम्स समाचार पत्र जिसकी स्थापना आपके अथक प्रयासों से 2007 में हुई थी के सफलतम प्रकाशन को आगे बढ़ाते हुए आप एक मासिक संस्करण का प्रकाशन आरंभ करने जा रहे हैं।

आपके समाचार पत्र में निरंतर जनहित, पारदर्शिता एवं सामाजिक सरोकारों से जुडी खबरों का प्रकाशन किया जाता रहा है ।

मुझे विश्वास है कि आप अपनी निष्पक्ष पत्रकारिता को जारी रखते हुए मासिक संस्करण में राष्ट्र, राज्य, समाज, संस्कृति, प्रशासनिक कार्य, जननीति सहित विभिन्न जनसरोकारों से जुड़े विषयों को अपने आलेखों में प्रमुखता प्रदान करेंगे।

मैं जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका की सफलता हेतु शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूँ।

पुनः शुभकामनाओं सहित।

सादर।

सद्भावी,

(मदन राठौड़)

श्रीमान् रामेश्वर लाल जी जाट
सम्पादक, जयपुर टाइम्स
मो0 7014217770

कार्यालय: सी-51, सरदार पटेल मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर | फोन : 0141-2225040, 2221364
निवास: 03, श्रीनाथ नगर, सर्किट हाउस के सामने, पाली- 306401 (राजस्थान) | फोन : 02932-225663, 226663
निवास: AB-93, शाहजहां रोड, नई दिल्ली | मोबाइल : 9414119663, 9829019663 | ई-मेल: madanrrathore@gmail.com | bjprajasthan@gmail.com

डॉ. सतीश पूनियां

प्रदेश प्रभारी, भाजपा (हरियाणा)
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा (राज.)

Dr. Satish Poonia

State Incharge BJP (Hariyana)
Former State President BJP (Raj.)

दिनांकः– 06.05.2025

—:शुभकामना संदेशः—

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि जयपुर टाइम्स समाचार पत्र अब "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" का प्रकाशन प्रारंभ करने जा रहा है। यह मीडिया के क्षेत्र में एक रचनात्मक विस्तार और जनजागरण के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण कदम है,

वर्तमान समय सूचना–संचार, संवाद का है। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है, लोकतंत्र में जागरूक नागरिकों की भूमिका जितनी अहम है, उतनी ही अहम भूमिका जवाबदेह और जिम्मेदार पत्रकारिता की भी है। जब मीडिया केवल समाचार देने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सामाजिक चेतना, लोक–शिक्षा और सकारात्मक विमर्श को आगे बढ़ाता है, तब वह वास्तविक चौथा स्तंभ बनता है।

जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका की इस दिशा में एक सार्थक पहल है, जो न केवल प्रदेशवासियों को राज्य सरकार की नीतियों एवं योजनाओं की जानकारी देगी, बल्कि राजस्थान की लोकसंस्कृति, लोककला तथा विकास यात्रा को जनमानस तक पहुंचाने का कार्य करेगी।

मुझे आशा है कि जयपुर टाइम्स पत्रिका अपनी रचनात्मकता, निष्पक्ष दृष्टिकोण और जनहितकारी सोच के साथ एक गंभीर, प्रभावशाली और भरोसेमंद मंच के रूप में स्थापित होगी।

मैं पत्रिका की संपूर्ण टीम को बधाई देते हुये इसके सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

भवनिष्ठ

(डॉ.सतीश पूनियां)

निवास : 772, रानी सती नगर, जनपथ, अजमेर रोड, जयपुर (राज.) - 302019 फोन : 0141-2812155
E-mail : satishpoonia.office@gmail.com • M.: +91-9414084650 ⊙ 9116767676

राजेन्द्र राठौड़
पूर्व नेता प्रतिपक्ष,
राजस्थान विधानसभा,
विधायक दल-भाजपा

सत्यमेव जयते

54, गीता पथ,
सूरज नगर पश्चिम, सिविल
लाईन्स, जयपुर-302006
0141-2224455

दिनांक 06.05.2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि आपके द्वारा 'जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका' का प्रकाशन किया जा रहा है। 'जयपुर टाइम्स समाचार पत्र' जिसकी स्थापना वर्ष 2007 में की गई थी। तब से लेकर आज तक निरंतर रूप से जयपुर एवं चूरू में इसका प्रकाशित किया जा रहा है। आपके द्वारा जनहित, पारदर्शिता एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाता रहा है। प्रिंट मीडिया समाज का एक महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है। यह समाज को शिक्षित करता है, जागरूक करता है और विभिन्न दृष्टिकोणों को उजागर करता है। मीडिया अपनी खबरों द्वारा समाज के असंतुलन एवं संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मैं, आपके द्वारा "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" के सफल प्रकाशन की शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि उक्त पत्रिका में समाज, राज्य, राष्ट्र, संस्कृति, प्रशासनिक कार्य, जननीति एवं जनसरोकारों से जुड़े विश्लेषणात्मक और शोधपरक आलेखों का प्रकाशन जनहितार्थ व जनोपयोगी होगा।

आपका,

(राजेन्द्र राठौड़)

श्री रामेश्वर लाल जाट,
संपादक, जयपुर टाइम्स।
मो. 7014217770

ए-5, सेक्टर - 2, सैनिक बस्ती, जिला चूरू, राजस्थान - 331 001

संजय शर्मा
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग,
राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

कमरा नं. 2114, प्रथम तल,
मुख्य भवन, शासन सचिवालय,
जयपुर - 302005 (राज.)
दूरभाष: 0141-2227062 (कार्यालय)
ई-मेल :sharmasanjayalwar@gmail.com

क्रमांक: शर्मं/वन/वि.प्रौ./2025/ R-1922 जयपुर, दिनांक 20/04/25

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" का प्रकाशन किया जा रहा है जो एक प्रशंसनीय कार्य है।

वर्तमान दौर में पत्रकारिता कई मायनों में चर्चित है। पत्रकारों का दायित्व है कि समाजहित में पत्रकारिता को प्रमुखता देने के लिए वातावरण का निर्माण वे स्वयं करें। पत्रकारिता अब केवल मिशन नहीं रही, लेकिन व्यावसायिकता के बावजूद भी पत्रकारिता के मिशन का उद्देश्य जीवित रहना चाहिए। जयपुर एवं चूरू में पत्रकारों के मौलिक सिद्वान्तों व नैतिक मूल्यों की विशेष पहचान रही है। समय के साथ–साथ जिले में प्रिन्ट मीडिया व इलेक्ट्रोनिक मीडिया ने अपने–अपने स्तर पर जनहित के मुद्दों पर हर क्षेत्र में चेतना जगाने में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई है।

मैं "जयपुर टाइम्स समाचार पत्र" द्वारा प्रकाशित की जा रही "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को कोटिश: शुभकामनाऐं व बधाई देता हूँ एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ–साथ आपके आयोजन की सफलता की कामना भी करता हूँ।

सादर

12/4/25
(संजय शर्मा)

श्री रामेश्वर लाल जाट,
संपादक, जयपुर टाइम्स,
सी–588, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड,
सीकर रोड, जयपुर।

निवास : बी-5, गांधी नगर, जयपुर-302015 (राजस्थान) दूरभाष : 0141-2710757

झाबर सिंह खर्रा
राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग
राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

कमरा नं.-6016, भू-तल
मंत्रालय भवन, शासन सचिवालय,
जयपुर-302006
दूरभाष : 0141-2227328 (कार्यालय)
ई-मेल : [redacted]
jskudhminister@gmail.com (office

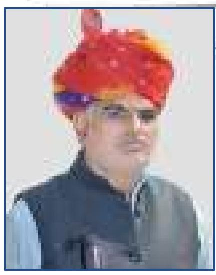

क्रमांक: राम(स्व.प्र.)/न.वि.वि. एवं स्वा.शा.वि./2025/2633 दिनांक 11·05·25

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता है कि जयपुर टाइम्स समाचार पत्र जिसकी स्थापना वर्ष 2007 में की गई थी, तब से लेकर आज तक निरंतर रूप से जयपुर एवं चुरू से प्रकाशित हो रहा है और जनहित, परदर्शिता एवं सामाजिक सरोकारो से जुड़ी खबरो को प्रमुखता से प्रकाशित करता रहा है, जिसके सकारात्मक पत्रकारिता के सफर को विस्तार देते हुये अब "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" का प्रकाशन किया जा रहा है।

इस मासिक संस्करण में राज्य, राष्ट्र, समाज, संस्कृति, प्रशासनिक कार्य, जननीति एवं जनसरोकार से जुड़े विश्लेषणात्मक और शोधपरक आलेख प्रकाशित किये जाते रहेंगे। इस स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिये मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

सादर।

11/05/2025

(झाबर सिंह खर्रा)
राज्यमंत्री(स्वंतत्र प्रभार)

जयपुर टाइम्स,
सी-588,4 सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड़
सीकर रोड़, जयपुर-302013

वर्तमान निवास : बी-3, भगत सिंह मार्ग, जयपुर • दूरभाष : 0141-2227590 (निवास)

सुमित गोदारा
Sumit Godara

सत्यमेव जयते

मंत्री,
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं
उपभोक्ता मामले विभाग
राजस्थान सरकार, जयपुर

:-शुभकामना संदेश:-

मुझे यह जानकार अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि जयपुर टाइम्स समाचार पत्र द्वारा "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" का प्रकाशन किया जा रहा है। जयपुर टाइम्स समाचार पत्र की स्थापना वर्ष 2007 में की गई, जो निरन्तर रूप से जयपुर व चुरू में प्रकाशित हो रही है साथ ही आमजन की समस्याओं, सामाजिक सरोकारों एवं सकारात्मक पत्रिकारिता के लिए पहचाना जाता है।

उक्त मासिक पत्रिका के प्रकाशन का उद्देश्य विश्लेषणात्मक, शोधपरक एवं समाजोन्मुख विषयों को मंच प्रदान किया जाना है। यह पत्रिका राजनीति, प्रशासन, संस्कृति एवं विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों को केन्द्रित एवं युवाओं को प्रेरित करेगी।

मैं "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका के प्रथम अंक" के सफल प्रकाशन पर समाचार पत्र और उसके पाठकों के लिए शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूँ। मुझे उम्मीद है कि उक्त समाचार पत्र अपने पवित्र उद्देश्यों की पूर्ति में सफल होगा।

पुनश्चः मासिक पत्रिका के सफलतापूर्वक प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाऐं।

(सुमित गोदारा)
मंत्री

कार्यालय : 6222, मंत्रालय भवन, शासन सचिवालय, जयपुर, राजस्थान
दूरभाष: 0141-2227289, ई-मेल : ministersumitgodara11@gmail.com

जवाहर सिंह बेढ़म
राज्यमंत्री
गृह, गौपालन, पशुपालन एवं डेयरी,
मत्स्य विभाग, राजस्थान सरकार

कार्यालय :
कमरा नं. 6316, मंत्रालय भवन,
शासन सचिवालय, जयपुर (राज.)
दूरभाष : 0141-2227925
ई-मेल: stateministerhomerajasthan@gmail.com

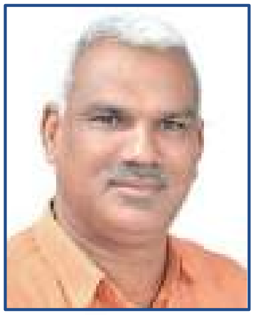

क्रमांक:रा.मं./गृह/2025/R-637
जयपुर, दिनांक 03/05/2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि जयपुर टाईम्स समाचार पत्र द्वारा "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" का प्रकाशन किया जा जा रहा है। जयपुर टाइम्स समाचार पत्र की स्थापना वर्ष 2007 में की गई, जो वर्तमान में निरन्तर रूप से जयपुर व चुरू में प्रकाशित हो रही है। साथ ही जन समस्याओं, सामाजिक सरोकारों एवं सकारात्मक पत्रकारिता के लिए पहचाना जाता है।

उक्त मासिक पत्रिका प्रकाशन का उद्देश्य विश्लेषणात्मक, शोधपरक एवं समाजोन्मुख विषयों को मंच प्रदान किया जाना है। यह पत्रिका राजनीति, प्रशासन, संस्कृति एवं विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों को केन्द्रित करेगी।

मैं "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" के प्रथम अंक के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ व शुभकामनांए प्रेषित करता हूँ।

3/5/25
(जवाहर सिंह बेढ़म)
राज्य मंत्री

निवासः- 18-ए, सिविल लाईन, जयपुर-302006 • फोन नं. : 0141-2220647

कैलाश चौधरी
KAILASH CHOUDHARY

सत्यमेव जयते

पूर्व कृषि एवं किसान कल्याण
राज्यमंत्री,
भारत सरकार
Ex Minister Of State For Agriculture
& FARMERS WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि जयपुर टाइम्स वर्ष 2007 से प्रदेश में जनमानस की सेवा, समाचार प्रकाशन के रूप में कर रहा है वर्तमान समय में जयपुर टाइम्स पत्रिका जयपुर एवं चुरू से प्रकाशित हो रहा है। तथा आगामी समय में अपने कार्य को विस्तार देते हुए "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" के नवीन प्रकाशन का शुभारम्भ कर रहा है।

जयपुर टाइम्स एवं नवीन प्रकाशन "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" के सफल प्रकाशन की आशा करता हूँ तथा देश समाज राजस्थान की संस्कृति तथा जनहित के मुद्दों पर निष्पक्ष एवं निर्भीक कार्य करने एवं प्रकाशन की आशा करता हूँ।

मैं जयपुर टाइम्स एवं नवीन प्रकाशन पत्रिका "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" के सफल प्रकाशन की शुभकामनाएँ देता हूँ तथा आपकी सम्पूर्ण टीम को सफलता के साथ सर्वोत्तम कार्य करने की शुभकामना देता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

आपका

(कैलाश चौधरी)

श्री रामेश्वर लाल जाट,
संपादक जयपुर टाइम्स,
जयपुर (राज०)

पता :- जाट कॉलोनी, समदड़ी रोड़, बालोतरा मो. 9414108663

|| हर हर महादेव ||
|| बाबा काशी विश्वनाथ महाराज की जय ||

कांवरिया सेना संगठन

(त्रेता युग) रजि. 215/2020

संपूर्ण भारत मंदिर मित्र

पत्रांक 109 दिनांक 27/04/2025

महंत त्रिलोकी नाथ महाराज
(राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संचालक)

रघुवर जायसवाल
(राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)

भूपेंद्र [illegible]
(राष्ट्रीय संगठन मंत्री)

सुनील शुक्ला
(राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष)

ओम प्रकाश मिश्रा
(राष्ट्रीय सचिव)

[illegible]
(राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य)

नरेंद्र प्रजापति
राजेंद्र प्रसाद मल्होत्रा
कल्याण मजमुले
(राष्ट्रीय प्रवक्ता)

प्रिय श्री रामेश्वरलाल जाट जी

मुझे ये जानकर खुशी हो रही है कि जयपुर टाइम्स समाचार पत्र के बाद अब आप जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ करने जा रहे है

आपकी संस्था जयपुर एवं चूरू में जनसमस्याओं, सामाजिक सरोकारो एवं सकारात्मक पत्रकारिता के लिए पहचान बना पत्रकारिता जगत में अब एक नया अध्याय लिखने जा रही है।
मैं इस मासिक पत्रिका की सफलता की कामना करता हूं ओर आपके साथ आपकी पूरी टीम को बधाई देता हूं।
आप अपने संस्थान के विभिन्न प्रकाशनों से देश की प्रगति में अपना योगदान देते हुए भारतीय लोकतंत्र को मजबूती प्रदान कर सके मैं ऐसी कामना करता हूं ।

महंत त्रिलोकीनाथ महाराज
राष्ट्रीय अध्यक्ष,संचालक

केंद्रीय कार्यालय: 12/9, गीता कॉलोनी, नजदीक ताज एनक्लेव, दिल्ली-110031
प्रदेश कार्यालय: प्राचीन शिव मंदिर, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
kavaryasenasangathan@gmail.com 9619617111, 8355949520

डॉ. अरूण चतुर्वेदी

पूर्व मंत्री, राजस्थान सरकार

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा राजस्थान

मो.नं. :91-9414049259

दूरभाष :0141-2290259

निवास – 16, कीर्ति नगर, श्याम नगर

मेट्रो स्टेशन के पीछे, श्याम नगर, जयपुर

ई–मेल – chaturvedidrarun@rediffmail.com

दिनांक : 28/04/2025

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि जयपुर टाइम्स समाचार पत्र जिसकी स्थापना वर्ष 2007 में की गई थी, तब से लेकर आज तक निरंतर जयपुर एवं चूरू से प्रकाशित हो रहा है और सामाजिक सरोकारों से जुडी खबरों को पारदर्शिता एवं प्रमुखता से प्रकाशित करता रहा है। अब इस सकारात्मक पत्रकारिता के सफर को विस्तार देते हुए आप "जयपुर टाईम्स मासिक पत्रिका" का प्रकाशन आरंभ कर रहे है।

मुझे आशा है कि इस मासिक संस्करण में राज्य, राष्ट्र, समाज, संस्कृति, प्रशासनिक कार्य एवं जनसरोकारों से जुड़े विश्लेषणात्मक और शोधपरक आलेख प्रकाशित किए जाएंगे।

मैं जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूँ।

सदभावी,

(डॉ. अरूण चतुर्वेदी)

श्री रामेश्वर लाल जाट

संपादक,

जयपुर टाइम्स,

कालीचरण सराफ
सदस्य
राजस्थान विधानसभा

कार्यालय : सी - 51, सरदार पटेल मार्ग,
सी - स्कीम, जयपुर - 302001 (राज.)
फोन एवं फैक्स : 0141 - 2225040
2221364

सत्यमेव जयते

दिनांक 28.04..2025
दिनांक ....

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि **जयपुर टाइम्स समाचार पत्र** द्वारा **"जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका"** का प्रकाशन किया जा रहा है। जयपुर टाइम्स समाचार पत्र की स्थापना वर्ष 2007 में की गई, जो निरन्तर रूप से जयपुर व चूरू में प्रकाशित हो रही है साथ ही जनसमस्याओं, सामाजिक सरोकारों एवं सकारात्मक पत्रिकारिता के लिए पहचाना जाता है।

उक्त मासिक पत्रिका के प्रकाशन का उद्देश्य विश्लेषणात्मक, शोधपरक एवं समाजोन्मुख विषयों को मंच प्रदान किया जाना है। यह पत्रिका राजनीति, प्रशासन, संस्कृति एवं विकास जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों को केन्द्रित करेगी।

मैं **"जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका के प्रथम अंक"** के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ व शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूँ।

आपका शुभेच्छु,

(कालीचरण सराफ)

निवास : ए - 7, जय अम्बे नगर, पावणा रेस्टोरेन्ट के पीछे, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान)
फोन : 0141 - 2723333, मोबाईल : +91 94140 15559

Neuro Care Hospital
& Research Centre Pvt. Ltd.
CIN : U85110RJ2011PTC035510

Vision of Excellence
Mission to Save Lives

26.04.2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" का प्रकाशन किया जा रहा है जो एक प्रशंसनीय कार्य है। वर्तमान दौर में पत्रकारिता कई मायनों में चर्चित है। पत्रकारों का दायित्व है कि समाजहित में पत्रकारिता को प्रमुखता देने के लिए वातावरण का निर्माण वे स्वयं करें। पत्रकारिता अब केवल मिशन नहीं रही, लेकिन व्यावसायिकता के बावजूद भी पत्रकारिता के मिशन का उद्देश्य जीवित रहना चाहिए। जयपुर एवं चूरू में पत्रकारों के मौलिक सिद्धांतों व नैतिक मूल्यों की विशेष पहचान रही है। समय के साथ-साथ जिले में प्रिन्ट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने अपने-अपने स्तर पर जनहित के मुद्दों पर हर क्षेत्र में चेतना जगाने में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई है।

मैं "जयपुर टाइम्स समाचार पत्र" द्वारा प्रकाशित की जा रही "जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका" के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को कोटिशः शुभकामनाएँ व बधाई देता हूँ एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ-साथ आपके आयोजन की सफलता की कामना करता हूँ।

सादर

Namichand

डा0 नेमी चन्द पूनीया

श्री रामेश्वर लाल जाट,
संपादक, जयपुर टाइम्स,
सी-588, 4 थी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड,
सीकर रोड, जयपुर।

।। श्री गणेशाय नमः ।। श्रीमते रामानन्दाचार्याय नमः ।। श्री गणेशाय नमः ।।

श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री मनोहर दास महाराज

श्री चिन्ताहरण काले हनुमान मन्दिर (गरुकुल वेदाश्रम), प्रजापति विहार कॉलोनी, पटेल मार्ग के सामने
न्यू सांगानेर रोड़, मानसरोवर, जयपुर (राज.)

मो.09829011463, 09610666669 E-mail : ptarunchaturvedi@yahoo.com

Date ....

श्री रामेश्वर लाल जाट 28.04.2025
सम्पादक,
जयपुर टाईम्स,
जयपुर।

यह जानकर अत्यन्त हर्ष हुआ कि आपके ''जयपुर टाइम्स'' समाचार पत्र जिसकी स्थापना वर्ष 2007 में हुई तब से लेकर आज तक निरन्तर रूप से जयपुर एवं चुरू से प्रकाशित हो रहा है, यह जनहित, पारदर्शिता एवं सामाजिक सरोकारों से जुडी खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित करता रहा है।

इस प्रगति के मार्ग में आप दूसरा अहम मजबूत कदम ''जयपुर टाइम्स मासिक पत्रिका'' का प्रकाशन कर आरम्भ कर रहे है। इसमें आप राज्य, राष्ट्र, समाज व संस्कृति को निष्पक्ष रूप से प्रकाशन कर सत्य को पेश करेगें।

आपको कोटि कोटि शुभकामनाएँ एवम् आप बधाई के पात्र है आप निरन्तर दिन दूनी रात चौगनी उन्नति करें, साथ ही हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

शुभेच्छु

श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर
श्री मनोहरदास जी महाराज

भारतीय जनता पार्टी

पं. धर्मवीर शर्मा
पूर्व जिलाध्यक्ष
भा.ज.पा. अलवर (राज.)

निवासः
बीरबल का मोहल्ला,
अलवर (राज.)
M.: 9414017003
9530117421

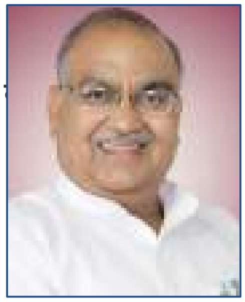

दिनांक 05-05-2025

आरदरणीय रामेश्वर जी,

सादर नमस्कार,

जयपुर टाइम्स के माध्यम से आप जो पत्रकारिता, लोकतंत्र और देश की सेवा कर रहे हैं। उसके लिये बहुत बधाई और साधुवाद।

बहुत प्रसन्नता है कि आप ''जयपुर टाइम्स'' मासिक पत्रिका का प्रकाशन आरंभ कर रहे हैं। इसके लिए बहुत बधाई और अपारि मंगल कामनाएं।

आपके व पत्रिका को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना।

धर्मवीर शर्मा

आपका धर्मवीर शर्मा
05-05-2025
पूर्व जयपुर संभाग प्रभारी
भाजपा राजस्थान

''भजन'' के मीठे ''भजनों'' से ''आनंदित राजस्थान''

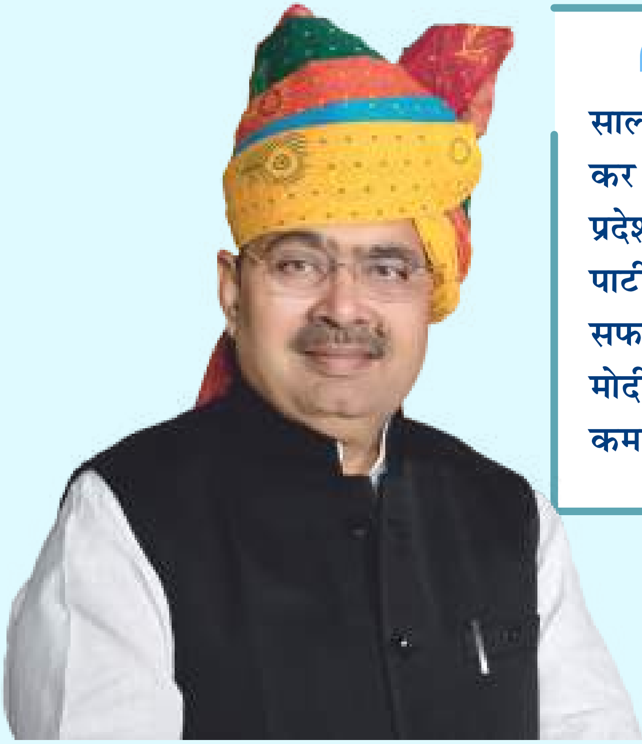

"पर्ची के मुख्यमंत्री बताने वालों की जुबान बंद, डेढ़ साल के कार्यकाल में ही वर्षों पुराने लंबित मामलों को निपटा कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खुद को किया साबित, प्रदेश में मेट्रो की रफ्तार से दौड़ रही डबल इंजन की सरकार, पार्टी के चुनावी संकल्प पत्र के वादों और बजट घोषणा के सफल क्रियान्वन के प्रयास युद्ध स्तर पर जारी, पीएम नरेंद्र मोदी भी भजन लाल सरकार के कामों से खुश, भाजपा हाई कमान ने भी दिए पूरे मार्क्स"

जयपुर। पिछले डेढ़ साल में प्रदेश की भजनलाल सरकार ने जो काम करके दिखाएं उन कामों के इतने शानदार तरीके से संपादित होने की उम्मीद शायद भाजपा के दिल्ली दरबार को उस समय बिल्कुल भी नहीं थी। जब उन्होंने पर्ची में भाजपा के विधायक दल के नेता के नाम के रूप में भजन लाल शर्मा का नाम लिखा था, हालांकि दिल्ली में बैठे भाजपा के बड़े नेता भजनलाल शर्मा की राजनीतिक कुशलता और उनकी साफ़ सूत्री छवि, ईमानदारी, पार्टी के प्रति वफादारी और सक्रियता जैसे लक्षणों से अच्छी तरह से वाकिफ थे लेकिन राजस्थान जैसे इतने बड़े स्टेट का संचालन इतनी शानदार ढंग से इतने कम समय में कर पाएंगे यह उम्मीद कम थी लेकिन मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के दिन के बाद से लेकर अब तक करीब डेढ़ साल के कम समय के अपने मुख्यमंत्री पद के कार्यकाल में ही वर्षों पुराने पड़ोसी राज्यों मध्य प्रदेश हरियाणा इत्यादि से चले आ रहे विवादों का निपटारा करके न केवल अपनी राजनीतिक और शासकीय कुशलता की अद्भुत छाप छोड़ी है बल्कि इन विवादों के सुलझने से एक तरफ जहां प्रदेश की जनता को व्यापक फायदा मिला है तो दूसरी तरफ प्रदेश के विकास को भी पंख लगे हैं इतना ही नहीं पिछले डेढ़ साल में भजनलाल सरकार ने कई ऐतिहासिक जन कल्याणकारी योजनाओं का जहां शुभारंभ किया वहीं भाजपा के चुनावी संकल्प पत्र में जो वादे किए गए थे उनमें अधिकांश वादों को डेढ़ साल में ही सरकार ने पूरा करके दिखाया जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि कहीं जा सकती है इसके अलावा भजनलाल सरकार बजट की हर एक घोषणा को पूरा करने के लिए भी मुख्यमंत्री नियमित रूप से प्रदेश के सभी सरकारी विभागों के आला अधिकारियों से फीडबैक लेते रहे हैं जिसकी वजह से बजट घोषणाएं भी धड़ाधड़ कागजों से निकलकर जमीन पर उतर रही है, वैसे तो पिछले डेढ़ साल में कई जन कल्याणकारी योजनाएं सरकार की ओर से शुरू की गई उन में मोटे तौर पर देखें तो पीकेसीईआरसीपी योजना को कागज से निकाल कर धरातल पर लाने का जो काम भजनलाल सरकार ने करके दिखाया है वह राजस्थान के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा क्योंकि पिछले करीब सात आठ साल से यह योजना केंद्र और राजस्थान सरकार के बीच आपस में चले आ रहे टकराव की वजह से अटकी पड़ी थी जिसकी वजह से मध्य प्रदेश सरकार से भी राजस्थान सरकार का विवाद बना हुआ था इन सब की वजह से यह योजना फाइलों में अटकी पड़ी थी लेकिन जैसे ही प्रदेश में गहलोत सरकार की विदाई हुई और भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार का गठन हुआ उसके तुरंत बाद एक सप्ताह के भीतर ही भजनलाल शर्मा ने केंद्र की मोदी सरकार और मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार दोनों ही सरकारों के साथ बातचीत के जरिए वर्षों पुराने विवाद को सुलझाया और इस महत्वाकांक्षी योजना की नई डीपीआर तैयार करके उसे हाथों-हाथ ही धरातल पर उतार कर प्रदेश के करीब डेड दर्जन जिलों के लाखों लोगों और लाखों किसानों के लिए पानी की एक बहुत बड़ी ज्वलंत समस्या का निवारण करके विपक्षी दलों के नेताओं को भी चौंका दिया द्य इसके अलावा मोटे तौर पर पिछली गहलोत सरकार में करीब डेढ़ दर्जन विभिन्न सरकारी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामलों की जांच के लिए स्पेशल जांच कमेटी का गठन किया गया इस कमेटी की ओर से विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक के मामलों में नियमित रूप से गिरफ्तारियां हो रही हैं, कई बड़े पेपर माफियाओं और कई बड़े मगरमच्छों की भी गिरफ्तारी हुई है, सभी पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच युद्ध स्तर पर जारी है तथा पिछले डेढ़ साल में भजनलाल सरकार की ओर से अब तक जितनी भी सरकारी नौकरियों

के लिए परीक्षाओं का आयोजन हुआ है उसमें एक में भी पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने नहीं आई है जिसकी वजह से प्रदेश के युवाओं में प्रदेश की भजनलाल सरकार के प्रति भरोसा कायम हुआ है, इसी तरह से राइजिंग राजस्थान का सफल आयोजन हुआ और अब राइजिंग राजस्थान में हजारों करोड रुपए के जितने भी समझौते हुए हैं उन्हें हर हाल में धरातल पर लाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा खुद नियमित रूप से प्रत्येक समझौते के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे हैं, प्रदेश में शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, उद्योग, खनन, राजस्व, ऊर्जा इत्यादि

शर्मा-राठौड़ की जोड़ी ने सता और संगठन के गठजोड़ को मजबूत किया

राजनीतिक विश्लेशको का कहना है कि वर्तमान में राजस्थान में सत्ता और संगठन के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय की स्थिति बनी हुई है जिसकी वजह से सत्ता और संगठन के बीच टकराव की स्थिति दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही हालांकि राठौर से पहले जब सीपी जोशी अध्यक्ष थे। उस समय भी सत्ता और संगठन के बीच टकराव के हालात नहीं बने लेकिन जातिगत समीकरणों की वजह से भाजपा हाई कमान ने सीपी जोशी को हटाकर मदन राठौड़ को प्रदेश भाजपा की नई जिम्मेदारी सौंप उसके बाद पहले की तुलना में सत्ता और संगठन में और भी बढ़िया तालमेल कायम हुआ है खुद मदन राठौड़ नियमित रूप से भजनलाल सरकार के कामों की प्रशंसा करते हर जगह नजर आ जाएंगे।

इस दौरान मदन राठौड़ ने भी कई बार दिल्ली के दौरे किए और भाजपा के दिल्ली दरबार से जुड़े सभी नेताओं से मुलाकात के दौरान भी उन्होंने भजनलाल सरकार के कामकाजों को लेकर अपनी संतुष्टि जताई हालांकि आने वाले दिनों में बहुत जल्दी ही मंत्रिमंडल का विस्तार और फेरबदल जरूर हो सकता है और कुछ मंत्रियों के कामकाज को लेकर राजस्थान भाजपा के संगठन से जुड़े नेता भी ज्यादा खुश नहीं है लेकिन जहां तक व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तारीफ का मामला है, मदन राठौड़ खुलकर शर्मा की तारीफ करते हैं, वजह यही है कि पिछले डेढ़ साल में भजनलाल सरकार पर भ्रष्टाचार को लेकर किसी ने भी उंगली नहीं उठाई तथा भाजपा के संकल्प पत्र और बजट घोषणा को पूरा करने को लेकर भजनलाल सरकार कृत संकल्प दिख रही है और तेजी से काम कर रही है उसको लेकर मदन राठौड़ मुख्यमंत्री शर्मा की कार्यशाली, सक्रियता से काफी संतुष्ट दिखाई दिए हैं।

पिछले डेढ़ साल में जब सरकार ने तबादलों से बैन हटाया तो भजनलाल सरकार में हुए ट्रांसफर की व्यवस्था पर भी किसी ने उंगली नहीं उठाई जबकि प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी ही सरकार में अपने ही शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा की मौजूदगी में शिक्षकों के मुंह से ही ट्रांसफर में पैसा देने की बात पहले कर प्रदेश की राजनीति में सनसनी फैल चुके हैं लेकिन भजनलाल सरकार में ट्रांसफर में भी किसी भी तरह का कोई असंतोष और भ्रष्टाचार जैसे एलिगेशन किसी ने भी नहीं लगाए जो अपने आप में बड़ी बात है उसका सीधा सा मतलब यही निकलता है कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के संगठन से जुड़े छोटे-बड़े सभी नेता भजनलाल सरकार के कामों से संतुष्ट हैं।

भजनलाल और सुधांशु पंत की आपस की बेहतर ट्यूनिंग प्रदेश के सुशासन के लिए वरदान बनी

अक्सर यह होता है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री की सलाह के आधार पर ही प्रदेश के मुख्य सचिव पद पर अधिकारी की नियुक्ति होती है लेकिन शासन सचिवालय के गलियारों में चर्चा है कि प्रदेश के मुख्य सचिव पद पर सुधांशु पंत की नियुक्ति में केंद्र की मोदी सरकार का बड़ा हाथ है लेकिन यह राजस्थान की जनता के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ जब प्रदेश के मुख्य सचिव पद पर भी एक ईमानदार, कर्मठ अधिकारी माने जाने वाले सुधांशु पंत की नियुक्ति हुई, एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी साफ सुथरी छवि के इमानदार राजनेता माने जाते हैं तो दूसरी तरफ सुधांशु पंत की गिनती भी भारतीय प्रशासनिक सेवा के श्रेष्ठ, ईमानदार और कर्मठ अधिकारियों में होती है, चाहे प्रदेश में भाजपा की सरकार रही हो या कांग्रेस पार्टी की इन दोनों ही सरकारों में सुधांशु पंत को बहुत महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेवारी मिली है, जहां-जहां जिस जिस विभाग में पोस्टेड रहे अपने काम से सरकारों को काफी प्रभावित किया तथा प्रदेश की जनता में भी लोकप्रिय रहे बाद में दिल्ली में भी केंद्र की मोदी सरकार में प्रतिनियुक्ति के दौरान कोरोना की अवधि में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसकी वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निगाहों में भी उनकी गिनती श्रेष्ठ अफसर में होने लगी और शायद यही वजह है कि भाजपा के दिल्ली दरबार और केंद्र की मोदी सरकार ने राजस्थान में नई मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के एक अच्छे सहयोगी के रूप में सुधांशु पंत को मुख्य सचिव पद पर विराजित कियाजिसके अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे हैं, मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के बीच बहुत ही जोरदार सामंजस्य और समन्वय बना हुआ है।

जिसका सीधा असर प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे पर भी पड़ा है, प्रशासनिक तंत्र पहले की तुलना में ज्यादा सुदृढ़ और गतिशील हुआ है जिसके पीछे कारण यह है कि मुख्य सचिव सुधांशु खुद अचानक सरकारी विभागों का निरीक्षण करने के लिए मौके पर पहुंच जाते हैं तथा नियमित रूप से विभिन्न सरकारी विभागों के कामकाज की समीक्षा करते रहते हैं और फिर समीक्षा रिपोर्ट को नियमित रूप से मुख्यमंत्री तक पहुंचते रहते हैं।

प्रदेश के सभी जिलों की वस्तु स्थिति, समस्याओं, बजट की घोषणाओं और भाजपा के चुनावी संकल्प पत्र के वादों के क्रियान्वयन को लेकर नियमित रूप से संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करके आवश्यक दिशा निर्देश देते रहे हैं जिसकी वजह से पहले की तुलना में प्रदेश के प्रशासनिक तंत्र के कार्य प्रणाली में निरंतर क्रांतिकारी बदलाव आया है जो प्रदेश की जनता के लिए तो लाभदायक है ही इसके अलावा प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए भी काफी सहायक साबित हो रहा है, जानकार लोगों का भी कहना है कि मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव दोनों एक दूसरे का सम्मान करते हैं दोनों एक दूसरे की भावनाओं को समझते हैं और दोनों अपनी अपनी जिम्मेवारियों को बेहतर तरीके से समझते हैं यही वजह है कि इन दोनों के बीच एक बहुत अच्छा समन्वय बना हुआ है जिसकी वजह से न केवल प्रदेश की जनता के कल्याण के लिए नई योजनाएं बनाने में आसानी रहती है बल्कि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में भी आसानी रहती है यही वजह है कि राजस्थान तरक्की के पद पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सभी विभागों में पिछले डेढ़ साल में कई नए उल्लेखनीय काम किए गए, कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की गई तथा कई क्रांतिकारी निर्णय लिए गए जिसकी वजह से प्रदेश का विकास मेट्रो की तरह तेजी से सरपट दौड़ता हुआ नजर आ रहा है, यह सब हुआ है सिर्फ डेढ़ साल में अभी तो सरकार का काफी कार्यकाल बाकी है इसीलिए प्रदेश की जनता को और दिल्ली में बैठे भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं को भी अब यह लगने लगा है कि उन्होंने पर्ची में भजनलाल शर्मा का नाम लिखकर कोई गलत है निर्णय नहीं लिया।

विधानसभा के उपचुनाव के नतीजे ने भजनलाल की डेमेज कंट्रोल क्षमता को उजागर किया

राजनीतिक विश्लेषण का कहना है कि प्रदेश में विधानसभा सीटों के उपचुनाव में जिस तरह से कई सीटों पर भाजपा के दमदार बागी नेताओं को मनाने में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अग्रणी भूमिका निभाई उससे शर्मा की राजनीतिक कुशलता उजागर हुई, राजनीतिक गलियारों में चर्चा होने लगी है कि मुख्यमंत्री शर्मा न केवल एक श्रेष्ठ मुख्यमंत्री के रूप में नजर आ रहे हैं बल्कि पार्टी के डैमेज कंट्रोल में भी बहुत माहिर हैं उसी का नतीजा है कि विधानसभा उपचुनाव में खींवसर, झुंझुनू, रामगढ़ जैसी कठिन सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने जीत दर्ज की जबकि इन सीटों पर भाजपा के कई मजबूत बागी उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया था लेकिन इन सभी सीटों पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बागी उम्मीदवारों को मनाया जिसकी वजह से इन सीटों पर भाजपा के प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित हुई।

बड़ी बात यह है कि इन सीटों पर विरोधी दलों का कब्जा था लेकिन उपचुनाव में भाजपा ने यहां जीत दर्ज की जिसका पूरा श्रेय मुख्यमंत्री भजनलाल को ही दिया जा रहा है क्योंकि उन्होंने बहुत ही समझदारी से पार्टी के बागी नेताओं को मनाया, उपचुनाव के नतीजे के बाद राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा होने लगी कि अगर पिछले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली में बड़े नेता टिकट वितरण और चुनाव से संबंधित अन्य कामों में भजनलाल शर्मा को उपचुनावों की तरह ही पूरी तरह से फ्री हैंड दे देते तो लोकसभा चुनाव के नतीजे भी भाजपा के पक्ष में और अच्छे होते लेकिन लोकसभा चुनाव में टिकट वितरण और अन्य सभी कामों में पार्टी हाई कमान का पूरा हस्तक्षेप था जिसकी वजह से भजनलाल शर्मा चाहते हुए भी कुछ नहीं कर पाए लेकिन उपचुनाव में भाजपा हाई कमान ने भजनलाल शर्मा को चुनाव से संबंधित प्रत्येक निर्णय के लिए पूरी तरह से फ्री हैंड दे दिया था जिसका नतीजा यह रहा कि जिन सीटों पर कांग्रेस और अन्य दलों का कब्जा था उन सीटों पर भी भारतीय जनता पार्टी ने जीत दर्ज की इसलिए उपचुनाव के नतीजे के बाद भाजपा हाई कमान की निगाहों में भजनलाल शर्मा एक अच्छे रणनीतिकार के रूप में भी माने जाने लगे हैं हालांकि मुख्यमंत्री बनने से पहले पिछले 20 साल में प्रदेश भाजपा के संगठन में नियमित रूप से बड़ी भूमिका भजनलाल शर्मा निभा चुके थे।

पिछले 20 साल में प्रदेश में चाहे कोई भी भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पद पर विराजमान रहा हो हर अध्यक्ष की पहली पसंद भजनलाल शर्मा रहे और उन्हें संगठन में बड़ी जिम्मेदारियां दी इसलिए प्रदेश भर के पार्टी के संगठन से जुड़े विषयों के बारे में भजन लाल शर्मा पहले से ही बहुत अच्छी तरह से जानकारी रखते थे यही वजह रही की विधानसभा उपचुनाव में उन्होंने अपने पिछले संगठन के अनुभव का फायदा उठाते हुए पार्टी के बागी उम्मीदवारों को तो पार्टी से जोड़ रखा ही इसके अलावा पार्टी को चुनौती वाली सीटों पर भी जीत दिलाई जो अपने आप में काफी अहम है।

वसुंधरा राजे और किरोड़ी मीणा जैसे नेताओं का विश्वास हासिल करने में सफल हुए भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा कि यह राजनीतिक कुशलता ही कहीं जाएगी की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और डॉक्टर किरोड़ी मीणा जैसे नेताओं का भी समर्थन हासिल करने में सफलता प्राप्त की, यह जग जाहिर है कि जब प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद राजनाथ सिंह जयपुर स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में विधायक दल के नेता के रूप में भजन लाल शर्मा के नाम पर्ची खोली तो उस समय वहां बैठक में मौजूद वसुंधरा राजे के चेहरे पर उदासी साफ नजर आई, उस समय किसी ने भी यह नहीं सोचा था कि भजन लाल शर्मा का नाम मुख्यमंत्री के लिए सामने आएगा लेकिन भाजपा के कई बड़े नेताओं को दरकिनार करके भाजपा के दिल्ली दरबार में भजन लाल शर्मा पर विश्वास जताया और उन्हें राजस्थान के शासन की बागडोर देने का निर्णय किया, भाजपा हाई कमान के इस निर्णय के बाद वसुंधरा राजे और उनके समर्थक नेताओं में नाराजगी देखने को भी मिली, इधर डॉक्टर किरोड़ी मीणा के समर्थक यह आस लगाए बैठे थे कि जिस तरह से किरोड़ी ने प्रदेश की पूर्व की गहलोत सरकार के खिलाफ पूरे 5 साल तक बड़े-बड़े आंदोलन किया बड़े-बड़े सनसनीकेज भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े मामले और विभिन्न सरकारी भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के मामलों को उजागर किया।

उन सब को देखते हुए भाजपा हाई कमान इस बार डॉक्टर किरोड़ी मीणा को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाएगा ही लेकिन किरोड़ी मीणा के समर्थकों को भी वसुंधरा राजे के समर्थकों की तरह निराशा हाथ लगी इसलिए भजनलाल शर्मा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद से ही वसुंधरा राजे और डॉक्टर किरोड़ी मीणा कहीं ना कहीं अंदरूनी तौर पर भजनलाल शर्मा से नाराज भी दिखे बाद में मंत्रिमंडल में भी वसुंधरा राजे के कई कट्टर समर्थक नेताओं को शामिल नहीं किया गया जिसकी वजह से वसुंधरा राजे और नाराज हो गई इसी तरह से किरोड़ी मीणा को मंत्रिमंडल में अपेक्षित विभाग भी नहीं मिला

जिसकी वजह से किरोड़ी मीणा की नाराजगी भी और बढ़ गई लेकिन इस कठिन और विपरीत परिस्थितियों में भी भजनलाल शर्मा ने अनुशासित तरीके से अपने अच्छे व्यवहार और कार्य शैली से अपने से नाराज चल रहे नेताओं को भी साथ लेकर चलने की अपनी रणनीति के तहत अपने साथ जोड़े रखने के हर संभव प्रयास किया उसी का नतीजा है कि अब वसुंधरा राजे और डॉक्टर किरोड़ी मीणा जैसे नेता भी भजनलाल सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं हालांकि राजनीतिक विश्लेषक यह भी मानते हैं कि कहीं ना कहीं भाजपा के मजबूत हाई कमान के प्रेशर में आकर वसुंधरा राजे और किरोड़ी मीणा जैसे नेता भजनलाल सरकार के साथ जुड़े हैं, बात चाहे कुछ भी हो लेकिन हकीकत यह है कि मुख्यमंत्री भजनलाल ने अपने छोटे से अब तक के डेढ़ साल के कार्यकाल में अपने व्यवहार और बोलचाल से अपने प्रतिस्पर्धी नेताओं को भी अपना बना लिया है जो एक बड़ी बात है।

कई बड़ी उपलब्धियां और कई नए कीर्तिमान भजनलाल सरकार के अकाउंट में राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 मिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य

पिछले करीब डेढ़ साल में भजनलाल सरकार ने अपने अकाउंट में कई नए कीर्तिमान और कई उपलब्धियां स्टॉक की है जिम सबसे बड़ी उपलब्धि तो मुख्यमंत्री की शपथ लेने के तुरंत बाद भजनलाल शर्मा ने केंद्र सरकार के सहयोग से मध्य प्रदेश सरकार के साथ पिछले कई सालों से चले आ रहे जल के समझौते को निपटा कर ईस्टर्न कैनल योजना को फाइल से निकाल कर धरातल पर लाने का काम किया, इस योजना के क्रियान्वयन से प्रदेश के कई जिलों के लाखों लोगों और लाखों किसानों को पीने का पानी और खेती का पानी उपलब्ध हो सकेगा खासतौर से इस महत्वपूर्ण योजना से प्रदेश के पूर्वोत्तर भाग के जिलों में पानी की समस्या पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी।

इस योजना पर तेजी से कम जारी है, इसके अलावा भजनलाल शर्मा ने हरियाणा से भी जल समझौता किया है जिसकी वजह से शेखावाटी के कई जिलों को पानी की समस्या से छुटकारा मिल सकेगा इसके अलावा भजनलाल सरकार ने राइजिंग राजस्थान में 34 लाख करोड़ के समझौते निवेशकों के साथ किए हैं इन समझौते को धरातल पर लाने के लिए भजनलाल सरकार कृत संकल्प है और एक-एक समझौते की प्रक्रिया को संपादित करने के संबंध में भजनलाल शर्मा खुद प्रत्येक समझौते की मॉनिटरिंग कर रहे हैं, हालांकि प्रदेश में वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत के शासन के दौरान ही इस तरह के समझौते निवेश को के साथ किए गए थे लेकिन उनमें अधिकांश समझौते सिर्फ समझौते ही बनकर रह गए धरातल पर नहीं आए लेकिन भजनलाल सरकार ने अपने शुरू के पहले ही साल में राइजिंग राजस्थान का सफल आयोजन किया और अब प्रत्येक समझौते को पूरा करने के लिए सरकार की ओर से निवेशकों के साथ बराबर मीटिंग की जा रही है खुद भजनलाल शर्मा ने कहा है कि अभी सरकार के पास 3 साल से ज्यादा का समय बाकी बचा है इसलिए आगामी दो-तीन साल में हर हाल में राइजिंग राजस्थान में निवेशकों के साथ हुए समझौते को धरातल पर लाया जाएगा जिसकी वजह से प्रदेश में नए औद्योगिक माहौल बनेगा रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और प्रदेश की इनकम में भी जोरदार इजाफा होगा जो प्रदेश के विकास के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा, शिक्षा, चिकित्सा ऊर्जा,

कृषि, परिवहन इत्यादि सभी क्षेत्र में निवेशकों के साथ हुए समझौता के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रदेश के मुख्य सचिव खुद नियमित रूप से विभाग बार बैठकर आयोजित करके प्रत्येक समझौते की फीडबैक हासिल करके उन्हें मुख्यमंत्री तक पहुंचा रहे हैं।

इस दौरान अगर किसी समझौते को धरातल पर लाने के लिए किसी भी तरह की कोई अड़चन आ रही है तो सरकार की ओर से अड़चन को दूर करने का प्रयास करके निवेशकों के लिए हर समस्या का समाधान किया जा रहा है जिससे उम्मीद की जा रही है कि पिछली सरकारों की तुलना मेंभजनलाल सरकार निवेशकों के साथ हुए समझौते को लेकर ज्यादा सजग और गतिशील है जिसकी वजह से राइजिंग राजस्थान प्रदेश के विकास के लिए बहुत बड़ा वरदान आने वाले सालों में बन सकता है। इसके अलावा भजनलाल सरकार ने पिछली गहलोत सरकार में विभिन्न सरकारी भर्ती परीक्षाओं में हुए फर्जीवांडे की जांच के लिए विशेष जांच कमेटी सरकार के गठन के साथ ही बना दी थी उसके अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे हैं सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में 100 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया चुका है जिसमें 50 से ज्यादा ट्रेनिंग इंस्पेक्टर गिरफ्तार किए गए हैं तथा अन्य भर्ती परीक्षा में भी स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की ओर से कई गिरफ्तारियां की गई है इसके अलावा पिछले डेढ़ साल में भजनलाल सरकार की ओर से जितनी भी सरकारी भर्ती की परीक्षाएं आयोजित की गई उनमें एक में भी पेपर लीक की घटना नहीं हुई किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं हुई जिसकी वजह से प्रदेश के युवाओं में भजनलाल सरकार के प्रति विश्वास कायम हुआ है तथा भजनलाल सरकार ने हर साल 100000 नौकरी देने का भरोसा भी दिलाया है जिसके फलस्वरूप पिछले डेढ़ साल में भजनलाल सरकार ने 124 000 नौकरियां भी दी है, भजनलाल सरकार ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है और भजनलाल सरकार ने दावा किया है कि वर्ष 2028 तक किसानों को दिन में उनकी डिमांड के अनुसार बिजली उपलब्ध हर हाल में करवाई जाएगी, भजनलाल सरकार ने अब तक ग्रामीण और शहरी विकास, शिक्षा, पर्यटन, स्वास्थ्य, चिकित्सा, कृषि, उद्योग, सड़क इत्यादि क्षेत्रों में क्रांतिकारी काम किए हैं जो प्रदेश की जनता के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रहे हैं।

पिछले डेढ़ साल में भजनलाल सरकार के कामों की और ऐतिहासिक निर्णय की लंबी सूची है जिन्हें किसी एक आर्टिकल में बता पाना काफी मुश्किल है कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि बहुत ही कम समय में भजनलाल सरकार ने जो काम अब तक करके दिखाया है ऐसा काम अब से पहले राजस्थान के इतिहास में इतने कम समय में किसी भी पार्टी की सरकार ने करके नहीं दिखाया जो अपने आप में एक बड़ा अनूठा उदाहरण है।

जयपुर
महिला व बाल विकास योजनाएं

महिला उत्थान के लिए भजनलाल सरकार ने किए सार्थक प्रयास

जयपुर। भजनलाल सरकार ने महिलाओं व बालिकाओं के उत्थान के लिए सार्थक प्रयास किए है जिसकी बदौलत महिलाएं आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। बालिका शिक्षा का मामला हो, महिलाओ के बेहतर स्वास्थ्य का मसला हो, महिलाओं के स्वरोजगार का हो या फिर बालिकाओं के प्रोत्साहन का मामला हो, हर मामले में भजनलाल सरकार ने बेहतरीन प्रयास किए है। आज बालिकाएं और महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी भूमिका बखूबी निभा रही हैं। अनेक योजनाएं प्रदेश सरकार ने महिलाओं व बालिकाओं के उत्थान के लिए शुरू की है जिनका प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है।

महिला व बाल विकास के क्षेत्र में सरकार की ओर से शुरू की गई प्रमुख योजनाएं और घोषणाए निम्नलिखित हैं-

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 5.60 लाख महिलाओं को लाभांवित किया।

मातृत्व पोषण योजना के अंतर्गत 3.80 लाख लाभार्थियों को 1.40 करोड़ रुपए का भुगतान

प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के अंतर्गत देय राशि 5,000 रुपए से बढ़ाकर 6,000 रुपए की गई। दिव्यांग महिला गर्भवती को 10,000 रुपए का प्रावधान किया गया। वहीं इस योजना के अतंर्गत अब तक 72 हजार लाभार्थियों को 10.80 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना और बीपीएल श्रेणी के 38.86 लाख से अधिक परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 450 रुपए में सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 6.4 लाख महिला यात्रियों को और रक्षाबंधन पर 7.48 लाख महिला यात्रियों को राजस्थान की सीमा में निगम बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा दी गई।

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए गार्गी पुरस्कार योजना में 1,89,287 बालिकाओं को 56.79 करोड़ रुपए, बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार योजना में 1.66.921 बालिकाओं को 83.46 करोड़ रुपए, इंदिरा प्रियदर्शिनी पुरस्कार योजना में 2504 बालिकाओं को 20. 51 करोड़ रुपए प्रदान किए है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री हमारी बेटी योजना में वर्ष 2023-24 के लिए 201 बालिकाओं को 61.32 लाख रुपए, आपकी बेटी योजना में 16.613 बालिकाओं को 390. 86 लाख रुपए शारीरिक

महिलाओं और बालिकाओं को दिया संबल, मिली दिशा

"कालीबाई भील, रानी पद्मिनी, मीराबाई, पन्नाधाय और अमृता देवी जैसी महान महिलाओं ने अपनी शक्ति, सामर्थ्य और दृढ़ संकल्प का परिचय देकर त्याग और वीरता के अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। परिवार की नींव को मजबूत करने वाली महिलाएं हमारे समाज की भी धुरी हैं। डबल इंजन की राज्य सरकार महिलाओं के उत्थान एवं कल्याण के लिए कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है और आधी आबादी को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है।"

अक्षमतायुक्त बालिकाओं के लिए आर्थिक सबलता पुरस्कार योजना में 5,714 बालिकाओं को 180.78 लाख रुपए और मूक बधिर व नेत्रहीन बालिकाओं के लिए अक्षमता युक्त आर्थिक सबलता पुरस्कार योजना में 867 बालिकाओं को 27.27 लाख रुपए वितरित किए गए।

10 लाख साईकिलों का वितरण भी बालिकाओं को किया गया।

72,000 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं को क्यू आर कोड जनित कूपन जारी किए गए।

काली बाई मेधावी छात्रा योजना के तहत 23,000 स्कूटी का वितरण किया गया।

राजकीय महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए छात्राओं के लिए सत्र 2024-25 से 30 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत कन्याओं के विवाह के लिए 57.22 करोड़ व्यय कर 15,019 कन्याओं को लाभांवित किया गया।

राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के अंतर्गत 428.12 करोड़ रुपए व्यय कर 4.15 लाख पेंशनरों को लाभांवित किया।

मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना के तहत 3623.07 करोड़ रुपए व्यय कर 18.06 लाख पेंशनरों को लाभांवित किया गया।

बालिकाओं के जन्म पर 1 लाख रुपए का संकल्प पत्र प्रदान के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना शुरू की गई। इसके तहत 7 किश्तों में एक लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत बैंकों की ओर से 102 करोड़ रुपए के 1390 ऋण आवेदन स्वीकृत किए गए।

सामूहिक विवाह योजना के तहत 4740 लाभांवित जोडो को 12.95 करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया।

ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत मानदेय कर्मी साथिन का मानदेय 5313 रुपए से 10 प्रतिशत बढ़ाकर 5844 रुपए प्रतिमाह किया गया।

37 सखी केन्द्रों में 8764 प्रकरणों में पीड़ित महिलाओं को आवश्यक सहायता व परामर्श दिया गया।

राज्य में 1.22 करोड़ महिलाओं व बालिकाओं को प्रतिमाह 12 निशुल्क सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराए जा रहे है।

24 अमृता हाट आयोजित किए गए जिनमें 1900 महिला स्वयं सहायता समूह महिलाओं को लाभ प्रदान किया गया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और शिशु पालना गृह कार्यकर्ताओं के मासिक मानदेय की दरों में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई और मानदेय क्रमशः 10,010 रुपए, 5825 रुपए और 50,10 रुपए प्रतिमाह किया गया।

3263 आंगनबाडी केन्द्रों पर विद्युत कनेक्शन कर बिजली से रोशन किया गया।

703 गांवों में 30050 स्वयं सहायता समूह, 3044 ग्राम संगठन, 97 संकुल स्तरीय संगठन का गठन कर 3.64 लाख ग्रामीण परिवारों को लाभ प्रदान किया गया।

44694 स्वयं सहायता समूहों के बचत खाते खोलकर 272 करोड़ रुपए आजीविका संवर्धन के लिए प्रदान किए गए।

76253 स्वयं सहायता समूहों को 300 करोड़ रुपए की

राशि आजीविका संवर्धन के लिए उपलब्ध कराई गई।

1 .32 लाख स्वयं सहायता समूहों को बैंकों के माध्यम से 2865 करोड़ रुपए का ऋण उपलब्ध कराया गया।

288 करोड़ रुपए का ऋण महिला निधि के माध्यम से 24229 स्वयं सहायता समूहों की 70049 महिलाओं को दिया गया।

9. 43 लाख परिवारों को पशुपालन व कृषि गतिविधियों से लाभांवित किया गया।

राजस्थान महिला निधि, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप देश की प्रथम राज्य स्तरीय सहकारी संस्था है जो राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा प्रोन्नत महिला स्वय सहायता समूहों के सदस्यों को उनकी रोजमर्रा की आवश्यकताओं एवं आय-अर्जन गतिविधियों हेतु सरल ऋण उनके द्वार पर ही उपलब्ध करवा रही है। एक लाख रूपये तक के ऋण पर राज्य सरकार की वर्तमान में 8 प्रतिशत ब्याज अनुदान सहायता के फलस्वरूप स्वयं सहायता समूहों को यह ऋण 2.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर उपलब्ध है।

जयपुर
रोजगार की दिशा में नए आयाम स्थापित

अन्त्योदय से बदली फिजा, रोजगार की दिशा में बेहतरीन प्रयास

जयपुर। भजनलाल सरकार ने अल्प समय में ही प्रदेश के लोगों को राहत प्रदान करने का भरसक प्रयास किया है। इस मामले में भजनलाल सरकार ने पिछली सरकारों से कहीं अधिक पारदर्शी तरीके से घोषणाओं को धरातल पर उतारा है। अंत्योदय के क्षेत्र में भी सरकार का कार्य अच्छा रहा है। वही रोजगार की दिशा में तो भजनलाल सरकार ने नए आयाम स्थापित कर दिए हैं जो आने वाले भविष्य के लिए सुखद रहेंगे। प्रदेश सरकार की ओर से अंत्योदय से पिछड़े वर्ग के लोगों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करने का प्रयास किया गया है।

राज्य सरकार की ओर से कुछ प्रमुख कार्य इस दिशा में किए गए हैं जो निम्न है-

- प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना (प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेण्डर आत्म निर्भर निधि योजना) अन्तर्गत 83 हजार पथ विक्रेताओं को 105 करोड़ रूपये का ऋण वितरित किया गया।
- मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत 3.49 लाख परिवारों को रोजगार आवंटित हुआ।
- 3.13 लाख श्रमिकों का नियोजन किया गया।
- 232.57 करोड़ रूपये व्यय किए गए।
- स्थायी आश्रय और आवास से वंचित के परिवारों के लिए मुख्यमंत्री घुमन्तू आवासीय योजना 22.10.2024 को लागू की गई।
- नमस्ते योजना में 1,880 सफाई कर्मचारियों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण दिया गया।
- पालनहार योजनान्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2023-24 के वार्षिक नवीनीकरण (सत्यापन) में शिथिलता प्रदान करते हुए वार्षिक सत्यापन से लंबित रहे 5.10 लाख बच्चों का

वार्षिक सत्यापन किया गया।

– सामाजिक सुरक्षा पेंशन पोर्टल के माध्यम से पेंशन योजनाओं के आवेदन प्रस्तुत करने से लेकर प्रति माह भुगतान करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया पेपरलेस की गई।

– 75 वर्ष से कम आयु के सभी पेंशनर्स को प्रति माह देय पेंशन राशि में रुपये 150 प्रति माह की वृद्धि की गई।

– विशेष योग्यजन श्रेणी के ऐसे आवेदक जो किसी कारण बॉयोमैट्रिक सत्यापन के कारण स्वयं का पेंशन आवेदन प्रस्तुत नहीं कर सकते, उन्हें संबंधित स्वीकृतिकर्ता अधिकारी के पास ओटीपी के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करने की सुविधा उपलब्ध करवाई गई।

– मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत 1026.38 करोड़ रुपये व्यय कर 6.28 लाख पेंशनरों को लाभान्वित किया गया।

– गाड़िया लोहारों के परिवारों को भवन निर्माण के लिए महाराणा प्रताप भवन निर्माण योजनान्तर्गत 105.65 लाख रुपए व्यय कर 88 परिवारों को लाभान्वित किया गया।

– पेंशन स्वीकृति जनआधार मेटा डाटा के आधार पर बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के जारी की जा रही है।

– विभिन्न पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों की संख्या में 7.25 लाख की वृद्धि हुई।

–मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत 8,720.73 करोड़ रुपए व्यय कर 51.90 लाख पेंशनरों को लाभान्वित किया गया।

– राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत 846.06 करोड़ रुपए व्यय कर 9.10 लाख पेंशनरों को लाभान्वित किया गया।

– राष्ट्रीय निशक्त जन पेंशन योजना के अंतर्गत 26.10 करोड़ रुपए व्यय कर 17,125 पेंशनरों को लाभान्वित किया गया।

– वृद्धजन लघु सीमान्त कृषक पेंशन योजनान्तर्गत 339.03 करोड़ रूपए व्यय कर 2.10 लाख पेंशनर्स को लाभान्वित किया गया।

– पालनहार योजनान्तग 1479.50 करोड़ रुपए व्यय कर 6.15 लाख बच्चों को लाभान्वित किया गया।

–पालनहार योजनान्तर्गत 82,807 नये पालनहारों को जोड़कर लाभान्वित किया गया।

– पालनहार योजनान्तर्गत आवेदक की ओर से स्वयं विभाग की एसजेईडी मोबाइल ऐप अथवा वेब पोर्टल के माध्यम से नि:शुल्क ऑनलाईन आवेदन किए जाने की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई।

–ऐसे पेंशनर्स जो किसी भी प्रकार से स्वयं का वार्षिक सत्यापन नहीं करवा पा रहे हैं, उन्हें संबंधित स्वीकृतिकर्ता अधिकारी के पास उपस्थित होकर उनके मोबाइल पर ओटीपी प्राप्त कर वार्षिक सत्यापन करवाने की सुविधा उपलब्ध करवाई गई। इस प्रक्रिया से 1.68 लाख पेंशनर्स की ओर से स्वीकृतिकर्ता अधिकारी के माध्यम से वार्षिक सत्यापन करवाया गया।

–अनुजा निगम की ओर से संचालित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/सफाई कर्मचारी/दिव्यांगजन व अन्य पिछड़ा वर्ग के 9,185 व्यक्तियों को स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध करवाया गया।

–मुख्यमंत्री विषेष योग्यजन स्वरोजगार योजनान्तर्गत 2.31 करोड़ रूपये व्यय कर 287 विषेष योग्यजनों को लाभान्वित किया गया।

– संयुक्त सहायता अनुदान योजनान्तर्गत 29.41 करोड़ रूपये व्यय कर 14,456 विषेष योग्यजनों को लाभान्वित

किया गया।

–सुखद दाम्पत्य जीवन योजनान्तर्गत 3.81 करोड़ रूपए व्यय कर 300 विषेष योग्यजनों को लाभान्वित किया गया।

– मुख्यमंत्री कन्यादान योजना अन्तर्गत कन्याओं के विवाह के लिए 57.22 करोड़ रुपए व्यय कर 15,019 कन्याओं को लाभान्वित किया गया।

– सिलिकोसिस योजनान्तर्गत 109.04 करोड़ रूपए व्यय कर 3697 आवेदकों को लाभान्वित किया गया।

– सिलिकोसिस प्रमाणीकरण में उपयोग के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित मॉडल तैयार करने, टेलिरेडियोलॉजी का उपयोग करने व स्वतः अनुमोदन से सिलिकोसिस पीडितों को राहत देने के लिए प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस 2024 पुरस्कार (स्वर्ण) प्रदान किया गया।

– 1,07,761 दिव्यांगों को दिव्यांग कार्ड जारी किए गए।

– उपेक्षित बच्चों को सड़कों पर निराश्रित जीवन से बचाने के उद्देश्य से 13 खुला आश्रय का संचालन किया जा रहा है। इसके साथ ही यूनिसेफ के सहयोग से भिक्षावृत्ति में लिप्त परिवारों के बच्चों के चिन्हीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया।

– संस्थागत देखरेख के अन्तर्गत 40 राजकीय बाल देखरेख संस्थान और 47 गैर राजकीय बाल देखरेख संस्थाओं का संचालन किया जा रहा है। इन संस्थानों में लगभग 3,000 बच्चों को देखरेख, उपचार, षिक्षा, प्रशिक्षण, विकास व पुनर्वास की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

– स्पॉन्सरशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत 18 वर्ष से कम आयु के 160 देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बालक/बालिकाओं को संस्थागत देखरेख के स्थान पर पारिवारिक वातावरण में जैविक या विस्तारित परिवार में पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए चयन किया गया।

–राज्य में अनाथ, परित्यक्त व अभ्यर्पित बालकों को गोद देने के लिए जिला स्तर पर 35 राजकीय/गैर राजकीय दत्तक ग्रहण एजेंसी संचालित है। 193 बच्चों को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय दत्तक ग्रहण में दिया गया है।

– भवन व अन्य संनिर्माण श्रमिक अधिनियम 1996 के अन्तर्गत 2.10 लाख हिताधिकारियों को पंजीकृत किया गया। 4.66 लाख हिताधिकारियों को 463.95 करोड़ रूपये की सहायता उपलब्ध करवाई गई।

– ई-श्रम पोर्टल पर 12.69 लाख श्रमिकों का पंजीयन किया जा चुका है।

– प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में 22,600 असंगठित श्रमिको का पंजीयन किया जा चुका है।

–प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अन्तर्गत प्रधानमंत्री की ओर से 17.09.2024 को नए पात्र परिवारो को जोडने के लिए आवास ऐप 2.0 का शुभारंभ किया गया।

– प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अन्तर्गत विगत वर्षो के 38,447 लंबित आवास पूर्ण कराए गए। भारत सरकार की ओर से 5.9.2024 को वर्ष 2024-25 के लिए आवंटित 1.56 लाख आवासो के लक्ष्य के विरूद्ध शत प्रतिशत की स्वीकृति जारी कर 1.51 लाख लाभार्थियों को प्रथम और 78 हजार लाभार्थियों को द्वितीय किश्त जारी।

– प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत अन्य योजनाओं से कन्वर्जेन्स के तहत शौचालयों के लिए 100 प्रतिशत, गैस कनेक्शन के लिए 91 प्रतिशत, विद्युत कनेक्शन के 92 प्रतिशत आवेदकों को लाभ प्रदान किया गया। वर्ष 2024-25 में आवंटित लक्ष्यों के विरूद्ध जारी प्रतिशत स्वीकृति व जारी प्रथम किश्त में राजस्थान का प्रथम स्थान है।

– राज्य की अनुसूचित जनजाति बाहुल्य आबादी के चिन्हित 8 जिलो में स्थित 47 ब्लॉक्स के जॉब कार्डधारी परिवारों को महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत 100 दिवस का रोजगार पूर्ण करने के पश्चात अतिरिक्त 50 दिवस का रोजगार राज्य मद से दिया जा रहा है।

– बारां जिले में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी महाअभियान के अन्तर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना-

ग्रामीण के पात्र परिवारों का सर्वे कराकर वर्ष 2023-24 व 2024-25 के लिए आवंटित कुल लक्ष्य 26,671 के विरूद्ध 21,013 स्वीकृतियां जारी। 2,669 आवास पूर्ण किए गए। अभियान अंतर्गत अब तक 204.02 करोड़ रूपये व्यय किए गए।

- महात्मा गांधी नरेगा योजना में 35 करोड़ से अधिक मानव दिवस सृजित किए गए। इनमें 3.70 लाख से अधिक कार्य पूर्ण कर 11,344 करोड़ रूपये से अधिक व्यय किए गए।

-100 दिवस रोजगार पूर्ण करने वाले परिवारों की संख्या 5.80 लाख से अधिक है।

-घुमन्तु, अर्द्धघुमन्तु व विमुक्त आवासहीन परिवारों/ व्यक्तियों को 02.10.2024 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्यभर में एक साथ 17,156 पट्टे वितरित किए गए।

- महिलाओं को सम्बल प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार की ओर से संचालित ''प्रधानमंत्री उज्जवला योजना'' और मध्यम श्रेणी के परिवारों को रसोई गैस सिलेण्डर सब्सिडी योजना में 450 रूपये मात्र में गैस सिलेण्डर जनवरी, 2024 से उपलब्ध कराया जा रहा है।

- केन्द्र सरकार की आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना व प्रदेश में संचालित स्वास्थ्य बीमा को एकीकृत कर 19.02.2024 से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना प्रारम्भ की गई।

- मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अन्तर्गत निम्न नवीन प्रावधान किए गए।

- शिशुओं के उपचार के लिए और 8 लाख वरिष्ठ नागरिकों के लिए कैशलेस उपचार

- डांग, मगरा, मेवात व बृज क्षेत्रीय विकास योजनाओं के लिए आगामी वर्ष 50-50 करोड़ रुपये की राशि को बढ़ाकर 100-100 करोड़ रुपये किए जाने की सहमति जारी।

- आरटीई के तहत शैक्षिक सत्र 2024-25 में 2.04 लाख नव प्रवेशित विद्यार्थियों को नि:शुल्क प्रवेश दिया गया व निजी विद्यालयों को 906.13 करोड़ रूपये की फीस का पुनर्भरण किया गया।

- प्रदेश के समस्त राजकीय, अनुदानित, निजी जनसहभागिता योजनान्तर्गत वंचित वर्गों, महिलाओं, बुजुर्गों व दिव्यांगों के लिए संचालित आवासीय संस्थानों का मैस भत्ता बढ़ाकर 3,250 रुपये प्रति आवासी प्रतिमाह किये जाने के आदेश 07.03.2025 को जारी।

- श्री अन्नपूर्णा रसोईयों में मोटा अनाज (बाजरा, ज्वार व अन्य मिलेट्स) भोजन में शामिल किया गया। भोजन थाली का वजन 450 ग्राम से बढ़ाकर 600 ग्राम किया गया, जिसमें प्रति थाली 100 ग्राम दाल, 100 ग्राम सब्जी, 100 ग्राम चावल मिलेट्स (श्री अन्न) खिचड़ी, 300 ग्राम चपाती एवं अचार है। राजकीय अनुदान राशि 17 रूपये से बढ़ाकर 22 रूपये प्रति भोजन थाली देय है।

– 3,73,638 परिवार खाद्य सूची में जोड़े जा चुके हैं।

– लघु, सीमांत, बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए सत्र 2024-25 से राजकीय महाविद्यालयों में राजकीय निधि कोष में लिए जाने वाला शुल्क माफ किया गया।

– कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए 73 डे केयर पैकेजेज

– महात्मा ज्योतिबा फुले मण्डी श्रमिक कल्याण योजना के अन्तर्गत अनुज्ञाधारी श्रमिकों की दो पुत्रियों की सीमा तक विवाह हेतु सहायता राशि 50 हजार रूपये से बढ़ाकर 75 हजार रूपये प्रति विवाह किए जाने के लिए आदेश 04.03.2025 को जारी।

– मां वाउचर योजना लागू की गई, जिसमें 25 हजार गर्भवती महिलाओं को प्रतिमाह 1,271 अधिकृत निजी सोनोग्राफी केन्द्रों के माध्यम से नि:शुल्क सेवाएँ दी जा रही है।

बजट घोषणा वर्ष 2025-26

–भूमिहीन कृषि श्रमिकों की कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए 1 लाख भूमिहीन कृषि श्रमिकों को 5 हजार रुपये लागत तक के कृषि यंत्र व उपकरण उपलब्ध करवाये जाएगे। इस पर लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

– अल्प आय वर्ग के परिवारों को भी रोजमर्रा की आवश्यकता का सामान उचित मूल्य पर मिल सके, इसके लिए 5 हजार उचित मूल्य की दुकानों पर अन्नपूर्णा भण्डार खोले जाएगे।

– पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को शुरू कर मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को चरणबद्ध रूप से नि:शुल्क लगाते हुए 100 यूनिट से बढ़ाते हुए 150 यूनिट बिजली प्रतिमाह नि:शुल्क उपलब्धकराई जाएगी। जिन अल्प आय वर्ग के परिवारों के घरों पर सोलर पैनल के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है, उनके लिए भी सामुदायिक सौर ऊर्जा केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

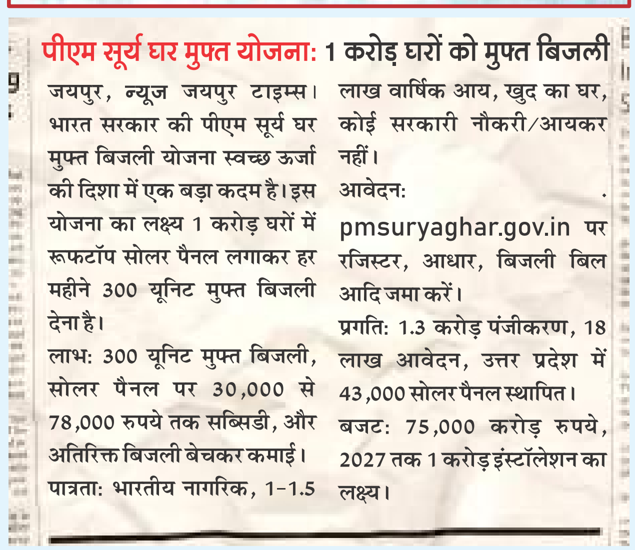

पीएम सूर्य घर मुफ्त योजना: 1 करोड़ घरों को मुफ्त बिजली

जयपुर, न्यूज जयपुर टाइम्स। भारत सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस योजना का लक्ष्य 1 करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर पैनल लगाकर हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देना है।

लाभ: 300 यूनिट मुफ्त बिजली, सोलर पैनल पर 30,000 से 78,000 रुपये तक सब्सिडी, और अतिरिक्त बिजली बेचकर कमाई।

पात्रता: भारतीय नागरिक, 1-1.5 लाख वार्षिक आय, खुद का घर, कोई सरकारी नौकरी/आयकर नहीं।

आवेदन: pmsuryaghar.gov.in पर रजिस्टर, आधार, बिजली बिल आदि जमा करें।

प्रगति: 1.3 करोड़ पंजीकरण, 18 लाख आवेदन, उत्तर प्रदेश में 43,000 सोलर पैनल स्थापित।

बजट: 75,000 करोड़ रुपये, 2027 तक 1 करोड़ इंस्टॉलेशन का लक्ष्य।

युवाओं के सुनहरे भविष्य की रख दी बुनियाद

जयपुर। भजनलाल सरकार ने प्रदेश को विकसित बनाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। लाखों युवाओं को नौकरी दी है। कौशल प्रशिक्षण से लाखों युवाओं को स्व रोजगार के लिए प्रशिक्षण दिया है। खिलाड़ियों के लिए कई उत्साह वर्धक कार्य किए हैं जिसकी बदौलत खेल के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ा है। कई इलाकों में खेल स्टेडियम बनाए गए हैं। सरकार ने महाविद्यालयों में नए संकाय खोले है तो कई जगहों पर महाविद्यालयों को क्रमोन्नत किया है। वही दूरस्थ गांवों में शिक्षा के लिए महाविद्यालय खोले है। अटल सेवा प्रेरकों की नियुक्ति भी पंचायत स्तर पर करने की कवायद शुरू कर दी है।

– युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत राजस्थान वित्त निगम की ओर से 120.24 करोड़ रूपए की ऋण स्वीकृतियाँ जारी की गई।

– 59 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तिया प्रदान की गई और विभिन्न संवर्गो के 96,615 पदों पर विज्ञापन जारी किया गया।

– चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती नियम 1999 के क्रम में प्रथम बार भर्ती किए जाने के लिए 52,453 रिक्त पदों का विज्ञापन 12.12.2024 को प्रकाशित किया गया।

– लाख युवाओं को केन्द्र व राज्य पोषित योजनाओं के माध्यम से 654 कौशल विकास केन्द्रों में आर्थिक क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर लाभान्वित किया गया।

– मुख्यमंत्री युवा संबल योजनान्तर्गत 1.44 लाख नवीन स्वीकृतियां जारी की गई।

– 544.47 करोड़ रूपये भत्ता राशि वितरित की गई। वर्तमान में 1.89 लाख लाभान्वित आशार्थी विभिन्न राजकीय विभागों में इन्टर्नशिप कर रहे हैं।

– मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के लिए सहज, सुगम, पारदर्शिता, निष्पक्षता व अधिक जवाबदेहिता के साथ क्रियान्वित किए जाने के लिए सत्र 2024-25 से संशोधित नवीनतम दिशा-निर्देश व प्रक्रिया जारी की गई।

– मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत 22,334

लाभार्थियों पर 124.35 करोड़ रूपये व्यय किए गए।

– राज्य में विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक की रोकथाम व इस सम्बन्ध में दर्ज मामलों में त्वरित जाँच व दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही के लिए राज्य स्तर पर 16.12.2023 को एसआईटी का गठन किया गया जो अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस व एसओजी के नेतृत्व में कार्य कर रही है।

– विभागीय खेल अकादमियों में आवासित छात्रों/छात्राओं को देय मैस भत्ते की राशि को 2,600 रूपये से बढ़ाकर 4,000 रूपये प्रतिमाह किया गया।

– प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने व राज्य में उपलब्ध नागरिक उड्डयन सम्बन्धी आधारभूत ढांचे के पूर्ण उपयोग को संभव बनाने के लिए राजस्थान नागरिक उड्डयन नीति–2024 जारी की गई।

खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम लागू की गई है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं को श्रेणीवार 25 लाख रुपए तक का दुर्घटना व जीवन बीमा कवरेज उपलब्ध हो सकेगा।

– खेलो इंडिया योजना के अन्तर्गत झुंझुनूं में सिन्थेटिक एथलेटिक ट्रेक व मल्टीपरपज इन्डोर हॉल, सीकर व हनुमानगढ़ में मल्टीपरपज इन्डोर हॉल व भाना (राजसंमद) में हॉकी एस्ट्रोटर्फ के कार्य पूर्ण किए गए।

– 5 हजार से अधिक आबादी वाली 3,500 ग्राम पंचायतों में 35 करोड़ रुपये व्यय कर खेल मैदान की स्थापना की जाएगी।

– बालोतरा, कोलायत बीकानेर, बागीदौरा बांसवाड़ा, आसींद–भीलवाड़ा, शेरगढ़–जोधपुर, सपोटरा–करौली, मेड़ता, खींवसर–नागौर, लोहावट–फलौदी, धरियावद–प्रतापगढ़, तख्तगढ़–पाली, सलूम्बर, सांचौर–जालोर, गंगापुरसिटी–सवाई माधोपुर में खेल स्टेडियम बनाए जाएगे।

– विकसित भारत संकल्प यात्रा के पोर्टल पर 15–29 आयुवर्ग के युवाओं को युवा विकास गतिविधियो नवाचारों, समाजसेवा के कार्य करने के लिए राजस्थान के 14.68 लाख युवाओं का रजिस्ट्रेशन करवाया गया, जो भारत में सर्वाधिक है।

– प्रदेश के 1602 खिलाडियों को वर्ष 2024–25 में 33.22 करोड़ रूपये की राशि प्रदान की गई।

– पेरिस में सम्पन्न ओलम्पिक गेम्स 2024 में प्रदेश के दो खिलाडियों अनंतजीत सिंह नरूका व महेश्वरी चौहान ने निशानेबाज स्पर्धा में भाग लिया और चौथा स्थान हासिल किया।

– वर्ष 2024 में पेरिस में सम्पन्न पैरालिम्पिक खेलों में राजस्थान से आठ खिलाडियों ने भाग लिया, जिसमें से तीन खिलाडियों अवनी लेखरा ने स्वर्ण पदक, सुन्दर सिंह ने कांस्य पदक व मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीत कर प्रदेश को गौरवान्वित किया। तीनो खिलाडियों को राज्य सरकार की ओर से 5–5 करोड़ रूपये की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

– प्रदेश की दिव्यकृति सिंह राठौड (घुडसवारी) को अर्जुन पुरस्कार व पैरा एथलेटिक्स प्रशिक्षक महावीर सैनी को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

– 37 नवीन राजकीय महाविद्यालयों (सामान्य शिक्षा–सहशिक्षा के 20 व 13 कन्या एवं 4 कृषि) की स्थापना की गई।

– स्नातकोत्तर स्तर के 33 तथा स्नातक स्तर के 10 महाविद्यालयों में नवीन विषय प्रारम्भ किए गए।

– 9 महाविद्यालयों में विज्ञान व 4 महाविद्यालयों में वाणिज्य नवीन संकाय प्रारम्भ किए।

– 12 महाविद्यालयों का क्रमोन्नयन किया गया।

– निजी महाविद्यालयों के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूर्णतया ऑनलाइन कर 1 मई, 2024 से ऑनलाइन एनओसी पोर्टल प्रांरभ किया गया।

– राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा में नवीन बी.टेक. ब्रांच केमिकल इंजीनियरिंग व एम.टेक. ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग प्रारंभ की गई।

– अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् नई दिल्ली से अनुमोदित तकनीकी संस्थाओं से संबंधित पाठ्यकम यथा इंजीनियरिंग, एमबीए, एमसीए, अन्य एआईसीटीई पाठ्यक्रमों तथा पॉलिटेक्निक डिप्लोमा के लिए पूर्व में छात्राओं के प्रवेश में प्रावधित 25 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण को सत्र 2024–25 से बढ़ाकर 30 प्रतिशत किया गया।

– राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के विभागों में पार्ट टाईम एम.टेक का पाठ्यक्रम तीन ब्रांचों (पावर सिस्टम, स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग व एनवायरमेंट ब्रांच) में लागू किया गया।

– पार्ट टाईम एम.टेक का कोर्स सबसे पहले राजस्थान राज्य में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा में प्रारंभ किया गया।

– उच्च शिक्षा विभाग की ओर से काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी व देवनारायण स्कूटी योजना के अन्तर्गत 23,000 स्कूटियों का वितरण किया गया। साथ ही, योजनान्तर्गत विभाग से संबंधित स्कूटियों की संख्या सत्र 2023–24 के लिए 20,000 से बढ़ाकर 30,000 की गयी थी, जिसे वर्ष 2025–26 की घोषणा में बढ़ाकर 35,000 किया गया।

– राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के 7 संबद्ध महाविद्यालयों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड बिग डाटा, रोबोटिक्स, ट्रॉसपोटेशन इंजीनियरिंग, इन्टरनेट ऑफ थिंग्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल के क्षेत्र में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए।

– राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा की एयरोनॉटिकल ब्रांच को एन.बी.ए. की मान्यता प्राप्त हुई।

– शैक्षणिक गुणवता में सुधार व प्रयोगशालाओं के उन्नयन के लिए राज्य के सभी पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में कायाकल्प योजना प्रारम्भ की गई।

– विभाग की ओर से छात्रों की डिग्री, अंकतालिकाएँ, प्रमाणपत्र इत्यादि दस्तावेज ऑनलाईन उपलब्ध करवाए जा रहे है।

– राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा को एक्रीडिटेशन प्रदान किया गया।

– संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से प्रथम बार बी.ए./एम.ए. के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गए।

– 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर संस्थागत देखरेख छोड़ने वाले 30 केयर लिवर्स को यूनिसेफ के सहयोग से कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर विभिन्न नियोक्ताओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया गया है।

– उदयपुर में अत्याधुनिक कौशल विकास केन्द्र का निर्माण कार्य पूर्ण।

– राजस्थान के स्कूली छात्रों में उद्यमिता और नवाचार की भावना को बढ़ावा देने के लिए आईस्टार्ट कार्यक्रम का विस्तार किया गया। इसके तहत राज्य के 33 जिलों में ''ग्रामीणों और स्कूल के विद्यार्थियों के लिए चयनित एक–एक विद्यालयों/महाविद्यालयों में कुल 66 लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित किए गए है।

– राजस्थान स्टार्टअप कार्यक्रम के तहत इस वर्ष 1,224

स्टार्टअप्स पंजीकृत हुए और सरकार की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 में 300 स्टार्टअप्स को 10.89 करोड़ रूपये की फंडिग प्रदान की गई।

- स्टार्टअप्स के लिए एक ऑनलाइन अक्सेलेरेटर प्रोग्राम पूर्ण किया गया, जिसमें 82 स्टार्टअप्स ने भाग लिया।
- प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में भी विभिन्न विभागों की सेवाए सुगमता व गुणवत्ता के साथ सुलभ करवाने और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से भर्ती के लिए पूर्व घोषित पदों के साथ ही आगामी वर्ष, वन विभाग में 1,750 कार्मिक, 4,000 पटवारी और 10,000 स्कूल शिक्षकों की भर्ती की जाएगी।
- युवाओं को अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से सरकारी विभागों व राजकीय उपक्रमों में, आगामी वर्ष 1.25 लाख पदों पर भर्तियाँ की जाएगी।

- मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अन्तर्गत किशोरों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के विषय जोड़े जाएंगे।
- अग्निवीरों को (अग्निशमन सेवा) में भी आरक्षण दिया जाएगा।
- जयपुर, जोधपुर व उदयपुर में वैदिक गुरुकुल व वैदिक पर्यटन केन्द्रों की स्थापना की जाएगी।
- भोपालसागर, निम्बाहेड़ा-चित्तौड़गढ़, सायरा-उदयपुर, माधोराजपुरा-जयपुर व श्रीविजयनगर- श्रीगंगानगर में नवीन महाविद्यालय खोले जाएंगे.
- अलवर, आहोर-जालोर व मांढण-कोटपूतली बहरोड़ में नवीन कन्या महाविद्यालय खोले जाएंगे।
- सिरोही में नवीन कृषि महाविद्यालय खोला जाएगा।
- कुम्हेर, खोह-डीग, केरू (लूणी)-जोधपुर, अकलेरा-झालावाड़, गोटन-नागौर, धोद, श्रीमाधोपुर सीकर, कानोड़ उदयपुर, सांगानेर-जयपुर, घड़साना- श्रीगंगानगर, जसवंतपुरा-जालोर में नवीन महाविद्यालय खोले जाएगे।
- बिजयनगर, मसूदा-ब्यावर, तिजारा खैरथल तिजारा, डाबी-बूंदी, कोटखावदा-जयपुर, कैथून, सुकैत कोटा, सोजत रोड़ पाली, आबू रोड-सिरोही में कन्या महाविद्यालय खोले जाएगे।
- मांडलगढ़-भीलवाड़ा, गंगापुरसिटी-सवाई माधोपुर में कृषि महाविद्यालय खोले जाएगे।
- बयाना-भरतपुर, आसींद-भीलवाड़ा, महुवा-दौसा, जयसिंहपुरा खोर-जयपुर, नैनवां-बूंदी के महाविद्यालयों को क्रमोन्नत किया जाएगा। - जहाजपुर, आसींद-भीलवाड़ा, कुचेरा-नागौर महाविद्यालयों में विज्ञान संकाय और भीम-राजसमंद महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय व जायल-नागौर, सराड़ा सलूम्बर, शाहपुरा-जयपुर, रेवदर-सिरोही, बाली-पाली महाविद्यालयों में नवीन विषय प्रारंभ किए जाएंगे।

- नशामुक्त राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के लिए नशे का व्यापार करने वालों के विरूद्ध कड़े कदम

उठाने के साथ-साथ समस्त महाविद्यालयों में चरणबद्ध रूप से नई किरण नशा मुक्ति केन्द्र भी प्रारम्भ किए जाएगे।

– रामगंज मण्डी और कनवास कोटा में नवीन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय खोले जाएंगे।

– अटल ज्ञान केन्द्रों में प्रेरकों की ओर से युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण की व्यवस्था के साथ-साथ आमजन को विभिन्न विभागों की सेवाए सुलभ करवाने की व्यवस्था की जाएगी। आगामी वर्ष प्रथम चरण में 3,000 से अधिक जनसंख्या वाले पंचायत मुख्यालयों में अटल ज्ञान केन्द्र स्थापित किए जाएगे।

– टपूकड़ा-खैरथल तिजारा, सीकर व भीलवाड़ा में नवीन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय खोले जाएगे।

– पॉलिटेक्निक महाविद्यालय धौलपुर, सिरोही व बाड़मेर में सिविल: पॉलिटेक्निक महाविद्यालय हनुमानगढ़ और अजमेर (महिला) में कम्प्यूटर साइंस, पॉलिटेक्निक महाविद्यालय झालावाड़ में केमिकल और चूरू में इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल नवीन कक्षाए प्रारंभ की जाएगी।

– छत्तीसगढ़ में होने वाली 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में प्रदेश से भाग लेने वाले लगभग 2,500 प्रतिभागियों की तैयारी के लिए जिला/तहसील स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों और शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

– मिर्जेवाला-श्रीगंगानगर में सैनिक स्कूल और अलवर, बीकानेर, जयपुर, जैसलमेर व कोटा में बालिका सैनिक स्कूल की स्थापना की जाएगी।

– जो युवा प्रथम बार संगठित निजी क्षेत्र में नौकरी प्राप्त करते हैं, उनको प्रोत्साहन देने की दृष्टि से 50 हजार रुपये तक मासिक वेतन प्राप्त करने वाले नवनियुक्त युवाओं को एकबारीय सहायता के रूप में 10 हजार रुपये उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री युवा रोजगार प्रोत्साहन योजना प्रारम्भ की जाएगी।

– आगामी वर्ष 50,000 युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएगे।

जयपुर
किसानों के लिए कृत संकल्पित भजनलाल सरकार

किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर धरतीपुत्रों का जीता दिल

जयपुर। भजनलाल सरकार ने किसानों को समृद्ध बनाने की दिशा में कारगर उपाय किए हैं और कई योजनाएं संचालित की है। इन नवीन योजनाओं से न केवल किसानों का जीवन स्तर सुदृढ़ हुआ है बल्कि उन्नत तकनीक से फसल पैदावार में भी इजाफा हुआ है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की राशि बढ़ाकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूरे देश में एक अनुकरणीय नजीर जनप्रतिनिधियों के समक्ष पेश की है। पशु पालकों के लिए मंगला पशु योजना सहित दुग्ध उत्पादकों के लिए भी कई राहत की घोषणाए सीएम ने की है।

– किसानों की सुविधा के लिए कृषि कनेक्शनों के विद्युत भार को बढ़ाने के लिए स्वैच्छिक भार वृद्धि योजना लागू की गई।

– 1.26 लाख से अधिक कृषि कनेक्शन जारी किए गए।

– किसानों को बिजली के बिलों में 27,339 करोड़ रूपये का अनुदान दिया गया।

– किसानों को राहत देने के लिए टावर क्षेत्र के साथ चारों तरफ एक मीटर तक अतिरिक्त क्षेत्रफल की गणना कर डीएलसी दर का दुगुना तथा प्रसारण लाईन के नीचे आने वाले क्षेत्रफल के पेटे डीएलसी की 30 प्रतिशत की दर से मुआवजा दिए जाने की अधिसूचना 08.11.2024 को जारी की गई।

– कृषि कनेक्शन के ऐसे आवेदक, जिन्होंने सामान्य योजना के अन्तर्गत कृषि विद्युत कनेक्शन के लिए आवेदन किया है तथा आवेदन के उपरान्त उस क्षेत्र को नगर पालिका घोषित कर दिया है, तो ऐसे आवेदकों जिनके

कनेक्शन ब्लॉक सप्लाई फीडर से जारी किए जाएंगे, को पूर्व की भांति सामान्य योजना की दरों पर ही कनेक्शन जारी करने के लिए आदेश जारी।

– प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 17वीं, 18वीं व 19वीं किश्त हस्तान्तरित की जा चुकी है। उक्त 17वीं किश्त में लाभान्वितों की संख्या 65.30 लाख, 18वीं किश्त में 70.21 लाख व 19वीं के माध्यम से राज्य के 72.97 लाख किसानों को 1400 करोड़ रूपये से अधिक की राषि हस्तांतरित की गई हैं। किसानों को लाभान्वित करने की संख्या की दृष्टि से राज्य का देश में पांचवा स्थान हैं।

– पी.एम. किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत 24.97 लाख नए कृषकों की ओर से आवेदन करवाए गए। पूर्व में आवेदित 25.83 लाख कृषकों के अनिवार्य कार्य पूर्ण कर आगामी किश्तों से लाभान्वित होने के लिए पात्र किए गए।

– लघु, सीमांत, बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए सत्र 2024-25 से राजकीय महाविद्यालयों में राजकीय निधि कोष में लिया जाने वाला शुल्क माफ किया गया।

– नि:शुल्क संकर मक्का बीज मिनिकिट कार्यक्रम के तहत अनुसूचित/सहरिया क्षेत्र के 8.39 लाख जनजाति कृषकों को खरीफ, 2024 के अन्तर्गत मिनिकिट वितरण किए गए।– नि:शुल्क हाईब्रिड सब्जी बीज मिनिकिट वितरण कार्यक्रम के तहत लगभग 50,000 जनजाति कृषकों को मिनिकिट का वितरण किया गया।

– गेहूँ के समर्थन मूल्य 2,275 रूपये प्रति क्विंटल के ऊपर 125 रूपये का बोनस प्रदान कर 2,400 रूपये प्रति क्विटल पर गेहूँ खरीद कर किसानों को लाभान्वित किया गया।

– राजस्थान कृषक समर्थन योजनान्तर्गत खाद्य विभाग की ओर से रबी विपणन सीजन 2024-25 के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीद का कार्य 10.03.2024 से 30.06.2024 तक पूर्ण कर 12.05 लाख मीट्रिक टन गेहूँ की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद करके 125 रूपये प्रति क्विंटल की दर से 150.66 करोड़ रूपये बोनस राशि का भुगतान कर 94 हजार से अधिक किसानों को लाभान्वित किया गया।

– भूमि सुधार के लिए सहकारी बैंकों की ओर से दिए जाने वाले दीर्घकालीन कृषि ऋणों का समय पर चुकारा करने वाले काश्तकारों को 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान व दीर्घकालीन सहकारी अकृषि ऋणों पर 5 प्रतिशत का ब्याज अनुदान योजनान्तर्गत 33.88 करोड़ रूपये का ऋणा वितरित किया गया।

– डेयरी से संबंधित गतिविधियों यथा गौवंश के लिए खेली का निर्माण और दुग्ध/चारा/बांटा संबंधी उपकरण खरीदने के लिए 1 लाख रूपये तक ब्याज मुक्त

अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना लागू की गई। 33,689 पात्र गोपालकों को ऋण स्वीकृत किए गए।

– 46.64 लाख किसानों को 28,595 करोड़ रूपये का अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण वितरित किया गया।

– 1.89 लाख नवीन कृषकों को 337.76 करोड़ रूपये का फसली ऋण वितरित किया गया।

– विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना अन्तर्गत घमूड़वाली पैक्स (जिला श्रीगंगानगर) में गोदाम, प्रसंस्करण यूनिट व कस्टम हायरिंग केन्द्र को प्रारम्भ किया गया।

– पैक्स कम्प्यूटराईजेशन योजनान्तर्गत 3,408 पैक्स को कंप्यूटरीकृत किया गया।

– सहकारी बैंकों की ओर से 3,309 किसानों व लघु उद्यमियों को 110.27 करोड़ रूपये का दीर्घकालीन ऋण वितरित किया गया। प्राथमिक भूमि विकास बैंकों की ओर से 24,232 किसानों को 24.82 करोड़ रूपये का ब्याज अनुदान दिया गया।

– 61 नई ग्राम सेवा सहकारी समितियों व 8 लैम्पस तथा 36 महिला बहुउद्देशीय ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गठन की अनुमति प्रदान की गई।

– समर्थन मूल्य पर रबी सीजन वर्ष 2024 में 3.52 लाख मीट्रिक टन सरसों व 1,252 मीट्रिक टन चना की खरीद की गई।

– खरीफ सीजन में वर्ष 2024 में अब तक 1.46 लाख मीट्रिक टन मूंग, 35.70 मीट्रिक टन उड़द, 4.14 लाख मीट्रिक टन मूंगफली तथा 98,866 मीट्रिक टन सोयाबीन की खरीद की गई।

– प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत 3,275 करोड़ रूपये के बीमा क्लेम वितरित किए गए।

– राज्य के किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 30.41 लाख मीट्रिक टन यूरिया एवं 7.06 लाख मीट्रिक टन डी.ए.पी. उपलब्ध करवाया गया।

– जल प्रबन्धन के तहत कृषकों के खेतों पर 4,329 डिग्गीयों का निर्माण करवाकर 112.35 करोड़ रूपये का अनुदान; जल संरक्षण के लिए 23,750 खेत तलाईयों (फार्म पौण्ड) का निर्माण करवाकर 155.08 करोड़ रूपये का अनुदान व कुओं से खेत तक होने वाले जल के अपव्यय को बचाने के लिए 19,538 किलोमीटर सिंचाई पाईप लाईन स्थापित करवाकर 32.85 करोड़ रूपये का अनुदान दिया गया।

– मृदा में पोषक तत्व की उपलब्धता व मृदा स्वास्थ्य की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए किसानों को 9.67 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए।

– 70,980 कृषि यंत्रों की वित्तीय स्वीकृति जारी। 163.09 करोड़ रूपये का अनुदान दिया गया। 7,165 पौध संरक्षण यंत्रों पर 1.06 करोड़ रूपये का अनुदान दिया गया।

– जानवरों से फसल के नुकसान को रोकने के लिए कृषकों के खेतों पर 100 रूपये प्रति मीटर अधिकतम 400

मीटर प्रति कृषक की दर से कृषको के खेतों पर 20,855 किलोमीटर की तारबंदी स्थापित। 227.52 करोड़ रूपये का अनुदान दिया गया।

– कृषकों के खेतों पर 24,150 वर्मीकम्पोस्ट इकाईयां स्थापित की गई और 1,515 कृषकों को पशुपालन आधारित कृषि पद्धति से लाभान्वित किया गया।

– कृषकों को नवीन तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराने के लिए 4.22 लाख (महिला व पुरूष) कृषकों को 1-2 दिवसीय प्रशिक्षणों में प्रषिक्षित किया गया और 5,669 कृषकों को भ्रमण पर भेजा गया।

– आधुनिक तकनीक कृषि ड्रोन के बहुद्देशीय उपयोग से आदान लागत व समय की बचत के साथ फसल उत्पादकता में वृद्धि की जा सकती है। भारत सरकार की ओर से ड्रोन के उपयोग को बढावा देने के लिए नमो ड्रोन दीदी योजना प्रारम्भ की गई। महिला स्वयं सहायता समूह को वर्ष भर वित्तीय रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए राज्य में नैनो यूरिया/पेस्टिसाईड छिड़काव पर 2,500 रूपये प्रति हेक्टेयर सहायता राशि देने का प्रावधान है।

– 8,830 पीएम किसान समृद्धि केन्द्र स्थापित किए गए। कृषकों के खेतों पर 43,000 हेक्टेयर क्षेत्र में नेनो यूरिया के प्रदर्शनों का आयोजन किया गया।

– ईज आफ डूइंग फार्मिंग सिंगल विन्डो के रूप में एक इन्टीग्रेटेड पोर्टल राज किसान साथी के माध्यम से कृषि व संबद्ध विभागों की 40 जन कल्याणकारी योजनाओं के आवेदन से भुगतान तक सम्पूर्ण प्रक्रिया सुगम व पेपरलेस की गई।

– बीज मिनिकिट्स का मोबाईल ऐप के माध्यम से पारदर्शिता के साथ वितरण पूर्ण किया गया।

– मण्डी यार्ड में निर्माण कार्यों की 140 करोड़ रूपये की स्वीकृतियां जारी की गई। मण्डी शुल्क से 700 करोड़ रूपये की आय अर्जित की गई।

– जैविक खेती में ब्लॉक स्तर पर 50-50 कृषकों को गोवंश से जैविक खाद उत्पादन करने के लिए गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना प्रारम्भ कर प्रति कृषक 50, 000 रूपये की सहायता देय है।

– संरक्षित खेती अन्तर्गत 25.67 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में ग्रीन हाऊस की स्थापना कर 926 कृषकों को 125.18 करोड़ रूपये का अनुदान देकर लाभान्वित किया गया।

– संरक्षित खेती अन्तर्गत 6.28 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में शेडनेट हाऊस की स्थापना कर 178 कृषकों को 22.94 करोड़ रूपये का अनुदान देकर लाभान्वित किया गया।

– राज्य में मुख्य रूप से संतरा, अमरूद, अनार, नींबू, आंवला, किन्नू आदि के 2,578 हेक्टेयर क्षेत्र में नये फल बगीचों की स्थापना कराकर 1,684 कृषकों को लाभान्वित किया गया।

– अधिसूचना 29.11.2024 की ओर से कृषक कल्याण फीस की दर ऊन पर शून्य, फल-सब्जी पर 1 प्रतिशत तथा अन्य अधिसूचित कृषि जिन्सो पर 0.50 प्रतिशत (31.03.2025 तक) निर्धारित की गई।

– राज्य में 36,388 सोलर पम्प सैट की स्थापना कराकर 577.91 करोड़ रूपये का अनुदान किसानों को दिया गया।

– राज्य में 1.16 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप व मिनि स्प्रिंकलर स्थापित कर 63,922 कृषकों को 478.38 करोड़

रूपये और 1.49 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में स्प्रिंकलर सैट स्थापित कर 64,423 कृषकों को 126.76 करोड़ रूपये का अनुदान दिया गया।

– अधिसूचना 25.02.2024 से गुड एवं चीनी पर उद्ग्रहणीय मण्डी शुल्क पर शत–प्रतिशत छूट प्रदान की गई।

– अधिसूचना 08.03.2024 से रबी विपणन वर्ष 2024–25 तथा अधिसूचना 03.09.2024 से खरीफ विपणन वर्ष 2024–25 की खरीद अवधि तक के लिए राजफैड की ओर से दलहन–तिलहन की समर्थन मूल्य पर खरीद किए जाने पर राज्य की मण्डी समितियों को देय मण्डी शुल्क व कृषक कल्याण फीस से शत प्रतिशत छूट प्रदान की गई।

– संरक्षित खेती अन्तर्गत 1,639 हेक्टेयर क्षेत्र में प्लास्टिक मल्च की स्थापना कर 4,696 कृषकों को 7 करोड़ रूपये का अनुदान देकर लाभान्वित किया गया।

– प्याज के उचित भण्डारण के लिए 1,302 प्याज भण्डार गृहों की स्थापना कर 1,302 कृषकों को 34.54 करोड़ रूपये का अनुदान दिया गया।

– राज्य की नवगठित 21 कृषि उपज मण्डी समितियों को भारत सरकार के राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई–नाम) पोर्टल से जोड़ा गया।

– भारत सरकार की पीएम गति शक्ति के तहत फूड पार्क सोनवा (टोंक) का आधारभूत संरचना निर्माण अंतिम चरण में है व 6 फूड पार्कों में आधारभूत संरचना संबंधित कार्य प्रगति पर है।

– राज्य में कृषि उपज मण्डी समितियों के अंतर्गत मण्डी यार्डों के विकास कार्यों, सड़क निर्माण व अन्य विभागों के डिपोजिट कार्यों पर 1,246.60 करोड़ रूपये व्यय किए गए और 370.36 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया है।

– अपना खाता से सहमति विभाजन के ऑनलाईन आवेदन व नामांतरण व सीमाज्ञान के ऑनलाईन आवेदन के लिए प्रस्तुत किए जाने के लिए नवीन मॉड्यूल 13.12.2024 से प्रारम्भ।

– ऑनलाईन नामांतरण प्रक्रिया में तहसीलदार स्तर पर समस्त प्रकार के नामांतरणों (बेचान के अलावा) को निस्तारण करने का प्रावधान किया गया हैं।

– कृषि भूमि के बेचान पर की जाने वाली रजिस्ट्री/पंजीयन से सीधे ही संबंधित राजस्व रिकॉर्ड में क्रेता के पक्ष में नामान्तरण करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। नामांतरण दर्ज कराने के लिए पटवारी–तहसीलदार को आवेदन करने की आवश्यकता समाप्त की गई। उक्त प्रक्रिया से नामांतरण दर्ज होकर जमाबंदी स्वत: अपडेट हो रही है।

– एग्रीस्टेक के माध्यम से किसानों को स्वत: फसल गिरदावरी की सुविधा उपलब्ध करवाए जाने के उद्देश्य से किसान गिरदावरी मोबाईल ऐप (आम काश्तकार हेतु), राज–खसरा गिरदावरी मोबाईल ऐप (राजस्व कार्मिकों के लिए) वं जन–आधार खाता सीडिंग मोबाईल ऐप (राजस्व कार्मिकों के) मोबाईल ऐप्स विकसित किए गए।

– डिजिटल क्रॉप सर्वे के अर्न्तगत फसल खरीफ–2081 वर्ष 2024 में राज्य की चयनित ऑनलाईन तहसीलों में सभी 4.48 करोड़ खसरों में गिरदावरी की गई।

– प्रदेश के आम काश्तकार के लिए नक्शा युक्त पी–13 (खसरा गिरदावरी प्रति) ई–साईन प्रति ई–मित्र सेवा के माध्यम से उपलब्ध करवाई जा रही है।

– डिजिटल क्रॉप सर्वे के अन्तर्गत प्रत्येक खसरों की निश्चित सीमा में जाकर फसलों की जानकारी व फोटो लेने का कार्य किया जा रहा है।

– भू–अभिलेख के कम्प्यूटराईजेशन कार्य के अन्तर्गत वर्तमान में राज्य की 426 तहसीलों में से 421 तहसीलों को ऑनलाईन अधिसूचित किया जा चुका है। वर्तमान सरकार के गठन के पश्चात 25 तहसीलों के राजस्व रिकार्ड को ऑनलाईन अधिसूचित किया गया है।

पशुपालक–गोपालन व डेयरी:

– 51 पशु चिकित्सालयों को प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नत किया गया।

– 25 प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों को बहुद्वेशिय पशु

चिकित्सालयों में क्रमोन्नत किया गया।

– 101 पशु चिकित्सा उपकेन्द्रों (बेढ़म–नगर, घोहंडी–दौसा व गुस्सांईसर– बीकानेर) को पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नत किया गया।

– 2 नवीन पशु चिकित्सालयों (विद्याधर नगर–जयपुर व शिववदानपुरा–डीडवाना कुचामन) की स्थापना की गई।

– 500 नवीन पशु चिकित्सा उपकेन्द्र स्वीकृत किए गए और 1,637 नवीन पद सृजित किए गए हैं।

– नवजात ऊँट के पालन–पोषण के लिए ऊँटपालकों को दी जाने वाली सहायता राशि 10,000 रूपये से बढ़ाकर 20,000 रूपये प्रतिवर्ष स्वीकृत की गई।

– मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत पशुओं का नि:शुल्क बीमा किए जाने के लिए ऑनलाईन पंजीकरण 13.12.2024 से प्रारम्भ किया गया। 8.95 लाख पशुपालकों के 20.30 लाख पशुओं का पंजीकरण किया गया।

– पशुपालकों की सुविधा के लिए अब तक प्रदेश के 7 जिलों में राज्य स्तरीय पशु मेले आयोजित किए जा रहे थे। इनका विस्तार करते हुए अब चरणबद्ध रूप से 11 पशु मेले आयोजित किए जाने की स्वीकृति जारी की गई।

– प्रदेश में पशुपालकों को उनके द्वार पर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराए जाने के लिए मेडिकल सेवा–108 की तर्ज पर 1962–मोबाईल वेटनरी सेवाएं प्रदान किए जाने के लिए 24.02.2024 से मोबाईल वेटनरी यूनिट सेवाएं प्रदान करना प्रारंभ कर दिया गया है। योजना अनुसार वाहनों का संचालन राज्य के एकीकृत कॉल सेन्टर से टोल फ्री नम्बर 1962 पर प्राप्त कॉल के अनुसार किया जा रहा है।

– 536 मोबाइल वाहनों से 30 लाख पशुओं का उपचार कर 8 लाख पशुपालकों को लाभान्वित किया गया।

– खुरपका–मुँहपका रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश के 1.87 करोड़ गौवंशीय व भैंसवंशीय पशुओं में अभियान चलाकर नि:शुल्क टीकाकरण करवाया जा चुका है।

– डेयरी व पशुपालन गतिविधियों के लिए प्रदेश के योजना के प्रारम्भ से 3.84 लाख पशुपालकों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जा चुके हैं।

– पशुपालन विभाग की ओर से 726 पशु चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति प्रदान की गई।

– चूरू जिले के राजगढ़ व तारानगर क्षेत्र के 200 हेक्टेयर से अधिक खारे पानी के पॉण्डस में श्रीम्प पालन का कार्य किया जाकर लगभग 2000 टन से अधिक खारे पानी के पॉण्डस में श्रीम्प का उत्पादन किया जा रहा है।

– 1.47 लाख मैट्रिक टन मत्स्य उत्पादन, 1,713 मिलियन फ्राई मत्स्य बीज उत्पादन किया जाकर 74.64 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त किया गया।– मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक

सम्बल योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 600 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया जिसके विरूद्ध अब तक 380.94 करोड़ रूपये का हस्तान्तरण डीबीटी के माध्यम से किया जा चुका है।

– औसतन दूध संकलन 32.79 लाख किलोग्राम प्रतिदिन व दूध बिक्री 22.02 लाख लीटर प्रतिदिन रही है।

– औसतन क्रय दर 853 रूपये (रूपये 47.40 प्रति किलोग्राम) प्रति किलोग्राम फैट से किया गया है।

– दुग्ध उत्पादकों को दूध का उचित मूल्य उपलब्ध कराने के लिए 488 नयी समितियों का गठन हुआ।

– पशु आहार संयंत्रों पर 5.56 मीट्रिक टन पशु आहार की बिक्री रही।

– प्रदेश की 100 गौशालाओं को गौ काष्ठ मशीन रियायती दर पर उपलब्ध कराने के लिए 100 गौशालाओं को गौ काष्ठ मशीन की स्वीकृति जारी व 75 गौशालाओं को गौ काष्ठ मशीन के लिए कार्यादेश जारी। 12 गौशालाओं को गौ काष्ठ मशीन उपलब्ध कराई गई।

– दुग्ध उत्पादकों के दुधारू पशुओं के लिए चारे के उत्पादन के लिए बीज प्रसंस्करण संयंत्र, बीकानेर एवं कोटा दुग्ध संघ से ज्वार, बाजरा, मक्का, जई, जो, रिजका और बरसीम की चारा फसलों के लिए अनुदानित दर पर बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में विभिन्न चारा फसलो का 14,026 क्विंटल उन्नत बीज नि:शुल्क/अनुदानित दर पर वितरित किया गया।

– राज सरस सुरक्षा कवच बीमा योजना व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना 01.02.2024 से लागू की गई। योजना में दुर्घटना मृत्यु व पूर्ण स्थाई अपंगता पर 5 लाख रूपये व आंशिक अपंगता पर 2.50 लाख रूपये का बीमा लाभ देय है। योजनान्तर्गत 1.54 लाख दुग्ध उत्पादकों को बीमित किया गया।

– सरस सामूहिक आरोग्य बीमा योजना के अन्तर्गत 3 लाख रूपये की राशि का निशुल्क उपचार के लिए 30,690 दुग्ध उत्पादकों का बीमा कराया गया।

प्रमुख बजट घोषणा वर्ष 2025-26:

– आगामी वर्ष 25,000 थ्ंतउ च्वदके, 10,000 डिग्गियों, 50,000 सौर पम्प संयंत्रों और 20,000 किलोमीटर सिंचाई पाइप लाइन के लिए 900 करोड़ रूपये के अनुदान दिए जाएंगे। इन योजनाओं के माध्यम से 4 लाख से अधिक किसान लाभान्वित हो सकेंगे।

आधुनिक तकनीकी आधारित कृषि उपकरणों यथा ट्रैक्टर चलित यंत्र आदि को उपलब्ध करवाने के लिए 300 करोड़ रूपये का अनुदान। इससे लगभग एक लाख कृषक लाभान्वित होंगे।

– फसलों के उत्पादन में बीज की किस्म व गुणवत्ता की महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत 11.50 लाख किसानों को संकर मक्का, 8 लाख किसानों को बाजरा, 5 लाख किसानों को मूंग व मोठ, 7 लाख किसानों को सरसों बीज और 1.50 लाख जनजातीय कृषकों को सब्जियों के लिए 35 लाख बीज मिनीकिट (180 करोड़ रुपये) उपलब्ध करवाए जाएंगे।

– मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना के अन्तर्गत 5.44 लाख कृषकों को गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन के लिए 1.13 लाख क्विंटल बीज (63 करोड़ रुपये) उपलब्ध कराया जाएगा।

– मृदा की उर्वरकता व गुणवत्ता बनाये रखने की दृष्टि से मृदा शक्ति संवर्धन योजना के अंतर्गत कृषकों को हरी खाद के लिए 3 लाख ढेंचा बीज मिनिकिट व 50 हजार किसानों को गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया जाएगा।

– मक्का फसल की उत्पादकता वृद्धि व मूल्य संवर्धन के लिए बांसवाड़ा में 20 करोड़ रूपये की लागत से इकाई की स्थापना की जाएगी।

– प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अन्तर्गत आगामी वर्ष राज्य के चयनित जिलों में 50 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया।

– फसलों को नील गाय, जंगली जानवरों व निराश्रित पशुओं से होने वाले नुकसान से बचाव व रोकथाम के लिए लगभग 75,000 किसानों को 30,000 किलोमीटर लम्बाई में तारबन्दी के लिए अनुदान दिया जाएगा। इस पर 324 करोड़ रूपये का व्यय होगा।

– श्रीअन्न के उत्पाद आमजन को आसानी से उपलब्ध करवाने व प्रचलन में लाने के लिए प्रत्येक जिले में प्रमुख स्थानों को चिन्हित कर मिलेट्स उत्पाद केंद्र खोले जाएंगे।

– भूमिहीन कृषि श्रमिकों की कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए 1 लाख भूमिहीन कृषि श्रमिकों को 5,000 रूपये लागत

तक के कृषि यंत्र व उपकरण उपलब्ध करवाये जाएगे। इस पर लगभग 50 करोड़ रूपये की लागत आएगी।

– किसानों की क्षमता वृद्धि, कृषि व सम्बद्ध क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आगामी वर्ष 100 सदस्य कृषकों को विदेशों में और 5,000 कृषकों को राज्य से बाहर भ्रमण/प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा।

– कृषकों को दिए जा रहे सम्बल में वृद्धि करते हुए आगामी वर्ष 2.50 लाख किसानों को अनुदान दिए जाएंगे।

– प्रदेश में लघु व सीमान्त कृषकों को बैलों से खेती करवाये जाने पर प्रोत्साहन राशि के रूप में 30 हजार रूपये प्रतिवर्ष दिए जाएगे। ऐसे किसान साथियों को गोबर गैस प्लांट लगाने के लिए सब्सिडी भी दी जाएगी।

– राज्य में समन्वित कीट प्रबंधन के लिए 10 प्रयोगशालाएं तैयार कर रही है। आगामी वर्ष उत्पादन क्षमता को बढ़ाते हुए 100 मीट्रिक टन किया जाएगा।

– प्रदेश में फूड पार्क विकसित किए जाने के लिए 32 स्थानों पर भूमि का आवंटन किया जा चुका है। अनूपगढ़–श्रीगंगानगर में मिनी फूड पार्क व सांचौर–जालोर में एग्रो फूड पार्क बनाए जाएगे।

– उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा जयपुर में बालिका छात्रावास का निर्माण किया जाएगा।

– चूरू, जयपुर, झुंझुनूं, सिरोही व दौसा में भी कृषि प्रसंस्करण की आधारभूत सुविधाए सुलभ करवाए जाने की दृष्टि से निःशुल्क भूमि आवंटन कर विकसित किया जाएगा।

–विकसित राजस्थान/2047 की कार्य योजना अन्तर्गत आगामी 2 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से अजमेर, पावटा–बहरोड़ कोटपूतली, रेवदर–सिरोही सहित विभिन्न मण्डी प्रांगणों में 125 करोड़ रूपये व्यय कर आधुनिक आधारभूत सुविधाओं के कार्य किए जाएंगे।

– मण्डी प्रांगणों व समर्थन मूल्य ऋय केन्द्रों पर किसानों की ओर से लाई गई कृषि जिन्सों की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए मंडियों में लगभग 10 करोड़ रूपये की लागत से स्टोरेज इकाइयां स्थापित की जाएगी।

– महात्मा ज्योतिबा फुले मण्डी श्रमिक कल्याण योजना के अन्तर्गत अनुज्ञाधारी श्रमिकों की दो पुत्रियों की सीमा तक विवाह के लिए सहायता राशि 50,000 रूपये से बढ़ाकर 75,000 रूपए प्रति विवाह किया जाएगा।

– बीदासर (सुजानगढ़)–चूरू, भिनाय, रूपनगढ़–अजमेर, टपूकड़ा–खैरथल तिजारा, रामगढ़ पचवारा–दौसा, नावां, खाटू खुर्द–डीडवाना कुचामन, सीमलवाड़ा–डूंगरपुर व राजाखेड़ा–धौलपुर में कृषि उपज मण्डी खोली जाएगी।

– जैतारण–ब्यावर व सिरोही में फल–सब्जी मण्डी खोली जाएगी।

– मण्डी–बनेठा–टोंक व मण्डार–सिरोही में गौण कृषि मण्डी खोली जाएगी।

– जैविक खेती उत्पादकों को उनके उत्पाद के विक्रय के लिए कृषि उपज मण्डियों में दुकान/भूखण्ड का आवंटन करने की नीति लाई जाएगी।

– रियाबड़ी (मेडता) नागौर में कृषि उपज मण्डी, माखूपुरा–अजमेर व बर (जैतारण)– ब्यावर में फल सब्जी मण्डी की स्थापना की जाएगी।

– कृषि फल मण्डी अजमेर में जीर्णोद्धार व प्लेटफार्म सम्बन्धी कार्य करवाए जाएगे।

– कृषि क्षेत्र में जल दक्षता बढ़ाने के लिए आगामी वर्ष विभिन्न सिंचाई योजनाओं के माध्यम से 1 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में प्रावधान करने के साथ–साथ 3.50 लाख हेक्टेयर में खेती के लिए अनुदान दिया जाएगा। इस पर 1,250 करोड़ रूपये का व्यय होगा।

राम जल सेतु लिंक परियोजना

राजस्थान मध्यप्रदेश

(संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना)

परियोजना के लाभ

- 17 जिलों की 3.25 करोड़ आबादी को मिलेगा शुद्ध पेयजल।
- 25 लाख किसानों की आय बढ़ाने हेतु लगभग 4 लाख हैक्टेयर भूमि में सिंचाई के लिए मिलेगा जल।
- राज्य के चहुंमुखी विकास हेतु उद्योगों को होगा जल उपलब्ध।
- बनास, मोरेल, बाणगंगा, रूपारेल, पार्वती, गंभीर, साबी जैसी नदियों को पुनर्जीवित कर होगा भूजल पुनर्भरण।

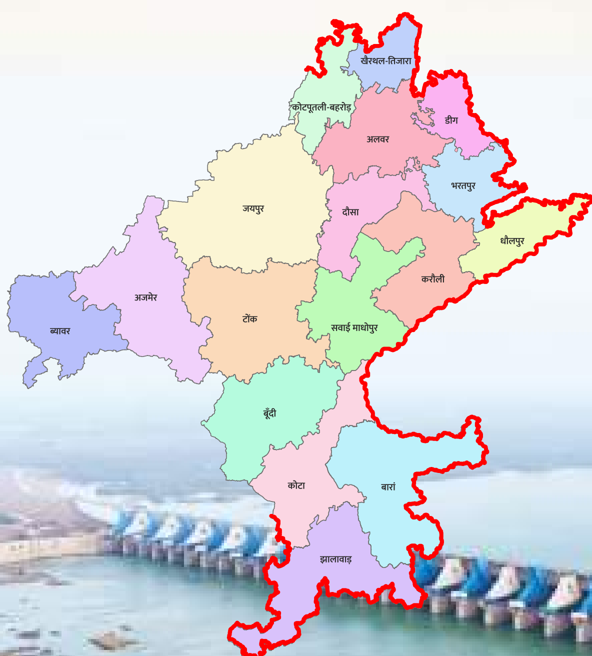

– रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना) को प्राथमिकता पर लेकर मध्य प्रदेश व भारत सरकार के साथ जनवरी, 2024 में एम.ओ.यू. तथा दिसम्बर, 2024 में एम.ओ.ए हस्ताक्षरित किया। इससे पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में 4 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई और 3 करोड़ से अधिक आबादी की पेयजल जरुरतों को पूरा किया जा सकेगा। 12,000 करोड़ रूपये से अधिक के कार्य प्रारम्भ।

– ईआरसीपी परियोजना के सबसे महत्वपूर्ण घटक नवनेरा बैराज का कार्य पूर्ण किया गया। परियोजना से कोटा व बूंदी जिले के 6 कस्बों एवं 752 गांवों को पेयजल उपलब्ध करवाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, परियोजना में उद्योगों की जल आवश्यकता के लिए 10 मिलियन क्यूबिक मीटर जल आरक्षित किया गया।

– हथिनीकुण्ड बैराज (ताजेवाला हैड, हरियाणा) से आवंटित यमुना जल से चूरू, झुंझुनू व सीकर जिलों में प्रथम चरण में पेयजल से लाभान्वित किए जाने के लिए माह फरवरी में संयुक्त रूप से डीपीआर बनाए जाने के लिए राजस्थान हरियाणा व भारत सरकार के मध्य

एमओयू हुआ। इससे शेखावाटी अंचल की यमुना जल की बहु प्रतीक्षित माँग पूरी होगी।

– जल संरक्षण के लिए राज्य के 17 जिलों की 38 पंचायत समितियों में अटल भूजल योजना क्रियान्वित की जा रही है। इस योजना में गिरते भूजल स्तर की रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों की ओर से कन्वर्जेन्स से 1,132 ग्राम पंचायतों में 459 करोड़ रूपये से जल संरक्षण व संवर्द्धन के कार्य कराए गए।

– परवन परियोजना पर वर्तमान सरकार के गठन के पश्चात् 712 करोड़ रूपये व्यय किए गए।

– धौलपुर लिफ्ट परियोजना पर वर्तमान सरकार के गठन के पश्चात् 106.77 करोड़ रूपये व्यय किए गए।

– हाड़ोती क्षेत्र में ल्हासी, गागरिन, राजगढ़, गरड़दा व हथियादेह मध्यम सिंचाई परियोजनाएं प्रगतिरत हैं। इन परियोजनाओं पर वर्तमान सरकार की ओर से 124.59 करोड़ रूपये व्यय किए गए।

– जल संसाधन विभाग में विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं (इन्दिरा गांधी नहर परियोजना सहित) पर 6,842.57 करोड़ रूपये व्यय किए गए।

– विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं (इन्दिरा गांधी नहर परियोजना सहित) पर 63,304 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाई गई।

– किसान साथी एप के माध्यम से किसानों को घर बैठे सिंचाई जल की उपलब्धता की जानकारी उपलब्ध हो रही है।

– इन्दिरा गांधी नहर परियोजना की पन्नालाल बारूपाल लिफ्ट नहर पर फव्वारा सिंचाई पद्धति के लिए प्रगतिरत पैकेज जीएल-2 व बीजीएल-2 का कार्य पूर्ण कर लगभग 31,000 हेक्टेयर क्षेत्र में फव्वारा सिंचाई पद्धति स्थापित की गई।

– 63,744 हेक्टेयर कमाण्ड क्षेत्र में पक्का खाला निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।

– चम्बल कमाण्ड क्षेत्र कोटा, बून्दी व बारां के सिंचित क्षेत्र की दक्षता सुधार के लिए पक्की लाईनिंग के कार्यों के तहत 264.20 किलोमीटर लम्बाई में नहरों की लाईनिंग का कार्य पूर्ण किया गया।

डॉ. सतीश पूनियां: भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक स्तंभ और कुशल रणनीतिकार

भारतीय राजनीति में कुछ ऐसे चेहरे होते हैं जो मंच से कम लेकिन मैदान में ज़्यादा दिखाई देते हैं। ये वे नेता होते हैं जो न केवल पार्टी की रीति-नीति को ज़मीनी स्तर पर कार्यान्वित करते हैं, बल्कि चुनौतियों के बीच रास्ता बनाकर पार्टी को विजय दिलाने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे ही नेता हैं डॉ. सतीश पूनिया, जो आज भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में एक मज़बूत स्तंभ और रणनीतिकार के रूप में जाने जाते हैं।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

डॉ. सतीश पूनिया का जन्म राजस्थान के शेखावाटी अंचल में हुआ, जो अपनी वीरता और संघर्षशील संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने किशोरावस्था से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से जुड़ाव रखा और छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के सक्रिय सदस्य रहे। छात्र राजनीति में भागीदारी ने उन्हें जन-सरोकारों की गहराई से समझ दी, जो आगे चलकर उनकी राजनीति की बुनियाद बनी।

संगठनात्मक अनुभव और पार्टी से निष्ठा

डॉ. पूनिया का भारतीय जनता पार्टी में सफर जमीनी स्तर से शुरू होकर राष्ट्रीय राजनीति तक पहुंचा है। वे लंबे समय तक पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में सक्रिय रहे और पार्टी के मूल विचारों के प्रति उनकी निष्ठा कभी डगमगाई नहीं। चाहे राजस्थान की राजनीति हो या हरियाणा का संकट, पूनिया ने हमेशा कार्यकर्ता की भावना से काम किया।

राजस्थान में बतौर प्रदेश अध्यक्ष, उन्होंने भाजपा संगठन को ज़मीनी स्तर पर मजबूत किया। उन्होंने पार्टी में युवाओं और किसानों की भागीदारी बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाए और लाखों लोगों को भाजपा से जोड़ा। यही नहीं, कार्यकर्ताओं को सम्मान और मंच दिलाने के लिए उन्होंने मंत्रियों और विधायकों को बार-बार आगाह किया कि ट्टपार्टी कार्यकर्ता ही पार्टी की आत्मा हैं।

हरियाणा में निभाई निर्णायक भूमिका

भाजपा नेतृत्व ने जब हरियाणा में बदलाव की रणनीति अपनाई और गैर-जाट मुख्यमंत्री के रूप में नायब सैनी को आगे बढ़ाया, तो यह कदम राजनीतिक दृष्टिकोण से चुनौतीपूर्ण था। हरियाणा में जाट समुदाय लगभग 27% आबादी रखता है और उनके बिना किसी भी चुनावी जीत की कल्पना कठिन होती है। ऐसे में जब पार्टी को जाट समुदाय की नाराज़गी और सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ा, तो डॉ. पूनिया को हरियाणा भाजपा का चुनाव प्रभारी बनाया गया। यह निर्णय केवल एक दायित्व नहीं था, बल्कि भाजपा के लिए एक संकट मोचक की नियुक्ति थी। पूनिया ने इस चुनौती को बखूबी समझा और रात-दिन एक कर दिया। उनके समर्पण का स्तर इस बात से समझा जा सकता है कि चुनाव से दो दिन पहले जब उन्हें अपेंडिक्स की गंभीर समस्या हुई और डॉक्टरों ने तत्काल ऑपरेशन की सलाह दी, तब भी उन्होंने पार्टी कार्य छोड़ने से इनकार

"सतीश पूनिया राजस्थान के प्रमुख बीजेपी नेता हैं, जो जाट समुदाय से आते हैं और आमेर से विधायक रहे। उन्होंने 2019 से 2023 तक राजस्थान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, पार्टी को मजबूत किया। 2018 में आमेर विधानसभा सीट जीतकर उन्होंने राजनीतिक सफलता हासिल की, हालांकि 2023 में हार का सामना करना पड़ा। वह आरएसएस और एबीवीपी से जुड़े रहे, छात्र राजनीति से करियर शुरू किया। हाल ही में हरियाणा बीजेपी के प्रभारी के रूप में उनकी रणनीति से पार्टी को जीत मिली।"

किया। बाद में ऑपरेशन के कुछ ही घंटे बाद वे फिर से फोन पर कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश देने लगे। यह समर्पण और जज़्बा उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच एक प्रेरणास्रोत बनाता है।

आमेर से हार: एक सीख, एक मोड़

2023 के राजस्थान विधानसभा चुनावों में डॉ. सतीश पूनिया आमेर सीट से चुनाव लड़े, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। इस हार के पीछे उनकी संगठनात्मक व्यस्तता और ज़मीनी प्रचार में कम भागीदारी भी एक वजह रही। उन्होंने खुद को राज्य और राष्ट्रीय संगठन को समर्पित कर दिया था, जिसका असर उनकी व्यक्तिगत सीट पर पड़ा। हालांकि यह हार व्यक्तिगत रही, लेकिन संगठनात्मक स्तर पर उनकी भूमिका को पार्टी ने और भी ज़्यादा महत्व देना शुरू कर दिया।

भाजपा के किंगमेकर की भूमिका में

आज डॉ. पूनिया केवल एक नेता नहीं, बल्कि भाजपा में एक किंगमेकर के रूप में उभरे हैं। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब जैसे राज्यों में उनका संगठनात्मक नेटवर्क बेहद मजबूत है। वे हर जातीय और सामाजिक समीकरण को समझने की क्षमता रखते हैं और उसी के अनुसार रणनीति बनाकर कार्य करते हैं। यही कारण है कि भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बनी राजस्थान सरकार के कई मंत्रियों ने पूनिया के पास जाकर न केवल मार्गदर्शन लिया बल्कि उन्हें अपनी जीत का श्रेय भी दिया।

सादगी, संघर्ष और संवाद के प्रतीक

डॉ. सतीश पूनिया की पहचान केवल एक रणनीतिकार तक सीमित नहीं है, वे सादगी और ज़मीनी जुड़ाव के लिए भी जाने जाते हैं। उनका रहन-सहन बेहद सामान्य है, लेकिन विचारों में गहराई और निर्णयों में स्पष्टता होती है। वे पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं और यही कारण है कि नव-निर्वाचित विधायक से लेकर वरिष्ठ मंत्री तक, सभी उनके साथ विचार-विमर्श करना पसंद करते हैं।

भविष्य की राजनीति में संभावनाएं

डॉ. पूनिया की कार्यशैली और समर्पण को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि आने वाले वर्षों में भाजपा की केंद्रीय राजनीति में उनकी भूमिका और भी निर्णायक हो सकती है। वे उस वर्ग से आते हैं जो न तो वंशवाद पर आधारित है, न ही दिखावे की राजनीति करता है। उनकी छवि एक सच्चे कर्मयोगी की है, जो हर परिस्थिति में पार्टी के हित को सर्वोपरि रखता है।

डॉ. सतीश पूनिया भारतीय राजनीति में उन नेताओं की श्रेणी में आते हैं जो पर्दे के पीछे रहकर सबसे बड़ा खेल रचते हैं। वे संगठन की नस-नस को समझते हैं और कार्यकर्ताओं के मन को पढ़ना जानते हैं। उनके निर्णय तात्कालिक लाभ से अधिक दीर्घकालिक मजबूती को ध्यान में रखते हैं। भाजपा को आज जिस तरह की नेतृत्व क्षमता और ज़मीनी पकड़ की आवश्यकता है, उसमें डॉ. पूनिया जैसे नेताओं की भूमिका अत्यंत आवश्यक और निर्णायक साबित हो सकती है।

डॉ. सतीश पूनिया न केवल भाजपा के लिए बल्कि भारतीय राजनीति के लिए भी एक स्थायी प्रेरणा हैं × सादगी, समर्पण और संगठन का आदर्श चेहरा।

शेखावाटी के सिरमौर और भाजपा की ताकत हैं राजेंद्र राठौड़

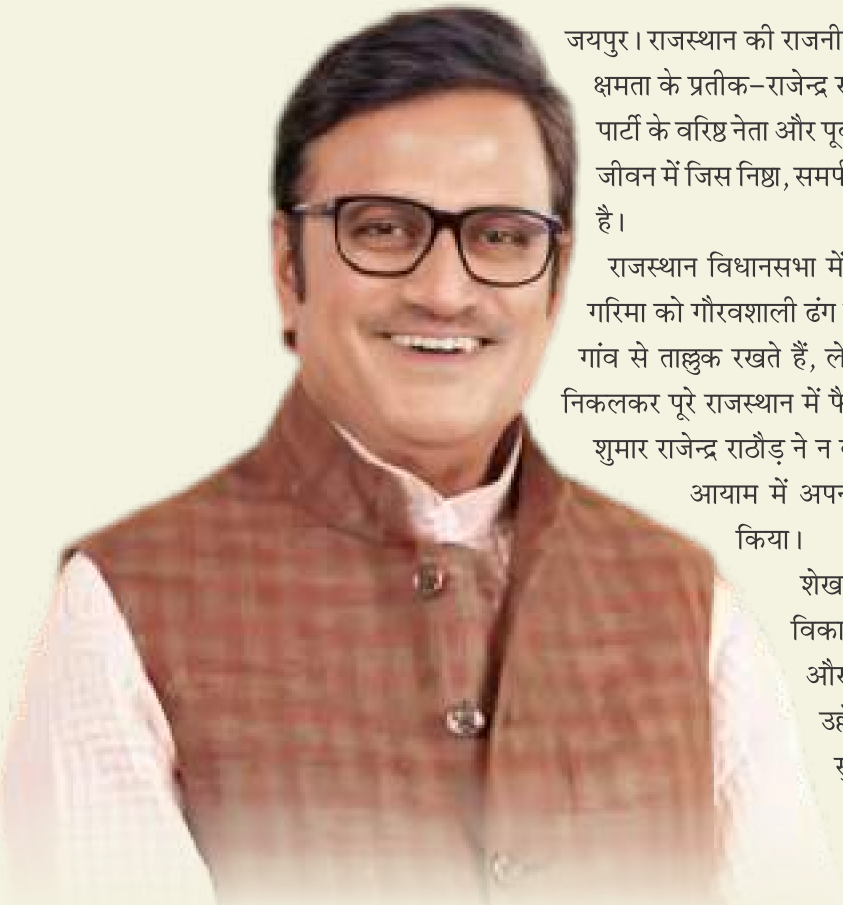

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में तेज़तर्रार नेतृत्व, प्रखर वाणी और अद्वितीय संगठन क्षमता के प्रतीक-राजेन्द्र राठौड़ किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राठौड़ जी ने अपने दशकों लंबे राजनीतिक जीवन में जिस निष्ठा, समर्पण और परिश्रम से जनता की सेवा की है, वह अनुकरणीय है।

राजस्थान विधानसभा में छह बार निर्वाचित होकर विधायक और मंत्री पद की गरिमा को गौरवशाली ढंग से निभा चुके राठौड़ जी मूलतः चूरू जिले के हरपालसर गांव से ताल्लुक रखते हैं, लेकिन उनकी लोकप्रियता की परिधि अब शेखावाटी से निकलकर पूरे राजस्थान में फैली हुई है। भाजपा की अग्रिम पंक्ति के शीर्ष नेताओं में शुमार राजेन्द्र राठौड़ ने न केवल संगठन को मजबूत किया, बल्कि जनसेवा के हर आयाम में अपनी सक्रिय भूमिका से आमजन का विश्वास भी अर्जित किया।

शेखावाटी को अपनी कर्मभूमि बनाकर उन्होंने इस क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में उन्होंने जो उल्लेखनीय कार्य किए, उसकी गूंज आज भी गांव-गांव में सुनाई देती है। उनका निवास, जहां प्रतिदिन जनसुनवाई के लिए लोगों का सैलाब उमड़ता है, यह दर्शाता है कि वे जनमानस के दिलों में कितनी गहरी पैठ बना चुके हैं।

विधानसभा में जब वे बोलते हैं तो तथ्यों की प्रखरता और तर्क की धार से विपक्ष को निरुत्तर कर देना उनकी विशेषता रही है। भाजपा की नीतियों और विचारधारा के प्रबल संवाहक राठौड़ जी ने हमेशा सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाते हुए सरकार की जवाबदेही तय की है।

भैरोसिंह शेखावत जैसे जननेता के समय से राजनीति में सक्रिय राठौड़ जी ने अनेक बार विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए भी अपना मनोबल नहीं खोया। दारा सिंह एनकाउंटर जैसे विवादित मामले में जब उन्हें बेवजह घसीटा गया, तब भी उन्होंने न्याय की राह पर विश्वास रखा और अंततः दोषमुक्त होकर सत्य की जीत सुनिश्चित की।

भारतीय जनता पार्टी में उनका अनुभव, नेतृत्व और संगठन कौशल आज भी अपार महत्व रखता है। चुनावी रणनीति बनाना हो, जनसभाओं को धार देना हो या टिकट वितरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों में संतुलन स्थापित करना-राठौड़ जी की भूमिका सदैव निर्णायक रही है।

राजेन्द्र राठौड़ न केवल एक कुशल राजनीतिज्ञ हैं, बल्कि वे जनता के सच्चे सेवक, जमीनी कार्यकर्ता और राजस्थान की राजनीति के शिखर पुरुष भी हैं। शेखावाटी की धरती उन्हें गर्व से अपना सिरमौर मानती है, और भाजपा उनके कुशल मार्गदर्शन में आने वाले समय में और अधिक ऊंचाइयों को छूने को तत्पर है।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का विजन धरातल पर उतार रहीं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अपनी दूरदर्शिता, समर्पण और अथक परिश्रम से डबल इंजन सरकार के स्वप्न को साकार करने में अद्वितीय योगदान दिया है। उन्होंने न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जनकल्याणकारी विजन को धरातल पर उतारा, बल्कि अपनी कुशल नेतृत्व क्षमता से प्रदेश के हर कोने में विकास की गंगा बहाई है। दीया कुमारी ने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने में जो कारगर प्रयास किए, उनकी बदौलत आज वे जनता के दिलों में एक सच्चे जननायक के रूप में स्थापित हो चुकी हैं। उनकी संवेदनशीलता, कार्यकुशलता और प्रशासनिक दक्षता ने उन्हें जन-जन की प्रिय नेता बना दिया है।

वित्त प्रबंधन में दीया कुमारी की अद्भुत क्षमता ने राजस्थान को विकास के नए आयाम दिए हैं। बिना किसी नए कर के बोझ के, उन्होंने मुफ्त योजनाओं को न केवल जारी रखा, बल्कि बेहतरीन बजट प्रबंधन के साथ राज्य के सर्वांगीण विकास का मजबूत आधार तैयार किया। उनके द्वारा पेश किए गए बजट न केवल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सपनों को साकार करने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं, बल्कि देशभर के लिए एक मिसाल बन चुके हैं। यह बजट समृद्धि, समावेशिता और सशक्तिकरण का प्रतीक है, जो राजस्थान को प्रगति के शिखर पर ले जाने में मील का पत्थर साबित होगा।

पर्यटन के क्षेत्र में दीया कुमारी के प्रयास अभूतपूर्व रहे हैं। उन्होंने राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को नया जीवन प्रदान किया। ऐतिहासिक हवेलियों और पौराणिक स्थलों का जीर्णोद्धार करवाकर, उन्होंने न केवल इनके गौरव को पुनर्जनन दिया, बल्कि पर्यटकों के लिए इन्हें और आकर्षक बनाया। खाटूश्याम जी मंदिर, केला देवी, पुष्कर, रामदेवरा, पूंछ का लोठरा जैसे तीर्थस्थलों में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का विस्तार उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को दर्शाता है। नए पर्यटक स्थलों के विकास ने राजस्थान को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और सशक्त रूप से स्थापित किया है। महिला एवं बाल विकास विभाग में दीया कुमारी ने एक क्रांतिकारी बदलाव लाया है। बतौर मंत्री, उन्होंने महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। रोडवेज बसों में महिलाओं के लिए रियायती यात्रा सुविधा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और आशा सहयोगिनियों के मानदेय में वृद्धि, मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहन और उनकी सुरक्षा के लिए कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का गठन जैसे कदम उनकी दूरदर्शी सोच का परिचय देते हैं। इन प्रयासों ने न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि समाज में उनकी गरिमा को और सुदृढ़ किया। दीया कुमारी ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण पोषाहार सुनिश्चित करने के साथ-साथ इन योजनाओं को पारदर्शी और प्रभावी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनकी मजबूत प्रशासनिक पकड़ और दृढ़ आत्मविश्वास ने उन्हें एक ऐसी नेता के रूप में स्थापित किया है, जो न केवल चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है, बल्कि उन्हें अवसरों में बदलने का हुनर भी रखती है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के नेतृत्व में राजस्थान विकास, संस्कृति और समृद्धि के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उनके कार्यकाल की हर उपलब्धि एक प्रेरणा है, जो यह सिद्ध करती है कि सच्चा नेतृत्व वही है जो जनता के सपनों को साकार करे और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चले। दीया कुमारी का यह सुनहरा कार्यकाल राजस्थान के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए वसुंधरा राजे और भूपेंद्र यादव का नाम टॉप पर

अगर वसुंधरा राजे अध्यक्ष बनी तो भाजपा के इतिहास में पहली महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष होगी, देश की महिला मतदाताओं में भी जाएगा अच्छा संदेश

नई दिल्ली / जयपुर। भारत और पाकिस्तान में सीजफायर पर सहमति बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी अब अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चयन की प्रक्रिया में जुट गई है, संघ और भाजपा के बीच वैसे तो पिछले कुछ महीनो से अध्यक्ष के नाम पर सहमति बनाने के लिए समय समय पर कई बार मीटिंग आयोजित हुई लेकिन दोनों के बीच एक नाम पर सहमति नहीं बन पाई, भाजपा के कई बड़े नेताओं के नाम अध्यक्ष के लिए मीडिया में सुर्खियों में भी बने रहे लेकिन कभी किसी नाम को लेकर संघ ने पल्ला झाड़ लिया तो कभी किसी नाम को लेकर भाजपा के मौजूदा रणनीतिकारों ने सहमति नहीं दी जिसकी वजह से संघ और भाजपा दोनों ही अंतिम एक नाम पर सहमति बनाने को लेकर अब तक राजी नहीं हुए हैं इस बीच हालही में अचानक ही इंडियन मिलिट्री की ओर से ऑपरेशन सिंदूर अभियान का संचालन करने की वजह से भारत और पाकिस्तान के बीच जो युद्ध के हालात बन गए उसमें भारत सरकार व्यस्त हो गई लेकिन अब भारत और पाकिस्तान दोनों ही एलओसी पर गोलाबारी नहीं करने को लेकर राजी हो गए इसके बाद भारतीय जनता पार्टी अब फिर से अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन को लेकर गंभीर हो गई है, पिछले कुछ महीनो से भाजपा के कई नेताओं के नाम अध्यक्ष के दौड़ में शामिल बताए जा रहे हैं जिनमें राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, सिटी रवि, भाजपा के संगठन महामंत्री क्करु संतोष, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नाम सुर्खियों में रहे, नितिन गडकरी को फिर से अध्यक्ष बनाए जाने की खबरें भी उठी तो शुरू में संघ की ओर से संजय जोशी का नाम आगे किया गया था लेकिन संजय जोशी के नाम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहमत नहीं हुए, कुल मिलाकर अभी किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन पाई है द्य बीच में राजस्थान की दो बार मुख्यमंत्री रही और पूर्व केंद्रीय मंत्री वसुंधरा राजे का नाम भी शीर्ष पर चला तो दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का नाम भी टॉप पर है कहा यह जा रहा है कि राजस्थान के ही किसी बड़े नेता को अध्यक्ष बनाया जाएगा, अब यह तो आने वाला समय बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर किस नेता की नियुक्ति होती है लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पिछले कुछ महीनो से वसुंधरा राजे और नरेंद्र मोदी के बीच राजनीतिक दूरियां काफी हद तक काम हो गई है और दोनों ही नेता एक दूसरे के प्रति सकारात्मक नजरिया रखे हुए हैं, मोदी और वसुंधरा राजे के हाथ मिलाते हुए हंसते हुए फोटो सोशल मीडिया पर कई बार वायरल हुए हैं उन फोटो को देखकर राजनीतिक विश्लेषक भी यह मानने लगे हैं कि कहीं ना कहीं मोदी और वसुंधरा राजे के बीच जो मनमुटाव की स्थिति लंबे समय से बनी हुई थी वह मनमुटाव अब खत्म हो गया है इसलिए वसुंधरा राजे को अध्यक्ष पद की जिम्मेवारी मिल जाए, इसकी भी प्रबल संभावना है।

हालांकि वसुंधरा राजे और संघ के बीच रिश्ते ज्यादा मीठे नहीं रहे हैं लेकिन ऐसा भी नहीं है कि संघ पूरी तरह से वसुंधरा राजे को लेकर नेगेटिव हो क्योंकि वसुंधरा राजे भारतीय जनता पार्टी की संस्थापक सदस्य दिवंगत विजय राजे सिंधिया की बेटी हैं पूर्व में अटल बिहारी वाजपेई सरकार में मंत्री रह चुकी हैं। वर्तमान में भाजपा की उपाध्यक्ष हैं तथा राजस्थान में दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं तथा राजस्थान में वसुंधरा राजे के नेतृत्व में ही भाजपा ने 2003 में पहली बार पूर्ण बहुमत हासिल किया था हालांकि भैरव सिंह शेखावत राजस्थान में तीन बार मुख्यमंत्री रहे लेकिन इन तीनों बार में ही उन्हें भाजपा की सरकार के गठन के लिए जुगाड़ बिठाना पड़ा लेकिन 2003 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा हाई कमान ने वसुंधरा राजे को राजस्थान में पार्टी का नेतृत्व सोप और वसुंधरा राजे के नेतृत्व में ही भाजपा ने चुनाव लड़ा जिसमें 125 सीटों पर भाजपा को जीत मिली इसके बाद 2013 के विधानसभा चुनाव में भी वसुंधरा राजे की अगवाई में ही भाजपा ने चुनाव लड़ा जिसमें तीन चौथाई से ज्यादा सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की जो राजस्थान के इतिहास में नया रिकॉर्ड था इसलिए वसुंधरा राजे को पार्टी का अध्यक्ष बनाए जाने से एक तरफ जहां राजस्थान में भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच वसुंधरा राजे की वजह से जो गुटबाजी बनी हुई है वह अपने आप ही समाप्त होगी तो दूसरी तरफ अगर वसुंधरा राजे को अध्यक्ष बनाया जाता है तो भाजपा के इतिहास में यह पहली बार होगा जब किसी महिला को भाजपा ने अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया हो इस निर्णय से देश की आधी आबादी महिला मतदाताओं में भी भारतीय जनता पार्टी के प्रति विश्वास और कायम होगा जिसकी वजह से भाजपा को काफी फायदा मिलेगा इसके अलावा वसुंधरा राजे ग्वालियर राजघराने की बेटी हैं तथा वसुंधरा राजे की बहन यशोधरा राजे मध्य प्रदेश भाजपा में सक्रिय हैं इसलिए मध्य प्रदेश में भी भाजपा को और मजबूती मिलेगी, वसुंधरा राजे को एक कुशल रणनीतिकार और एक कुशल संगठक और कुशल शासक के रूप में माना जाता है और विभिन्न जातियों के मतदाताओं को कैसे और किस तरह से अपने पक्ष में किया जाए, इस काम में वसुंधरा राजे काफी माहिर हैं, वसुंधरा राजे ने राजस्थान में खुद को राजपूत की बेटी गुर्जरों की समधन और जाटों की बहू बताकर इन तीनों जातियां के मतदाताओं का समर्थन हासिल करके भाजपा को शानदार जीत दिलाई थी इसलिए वसुंधरा राजे को राजनीति का लंबा अनुभव है और भले ही उनकी आयु ज्यादा हो गई हो लेकिन उनकी पर्सनैलिटी और उनके बोलने का अंदाज अब भी युवाओं को काफी पसंद आता है यही वजह है कि उनकी सभाओं में अब भी बड़ी संख्या में लोग अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं, वसुंधरा राजे केवल राजस्थान तक की सीमित नहीं है बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी लोकप्रिय हैं देश के हर कोने के लोग उन्हें एक अच्छे मुख्यमंत्री के रूप में पहचानते हैं इसलिए वसुंधरा राजे को अध्यक्ष पद के लिए बिल्कुल परफेक्ट नेता माना जा रहा है।

नरेंद्र मोदी और अमित शाह से नजदीकी के चलते भूपेंद्र यादव के भी है बढ़िया चांस

अलवर के सांसद और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का नाम भी अध्यक्ष पद पर टॉप पर है क्योंकि यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह दोनों के काफी विश्वासपात्र नेता माने जाते हैं तथा यादव लंबे समय से संघ से भी जुड़े हुए हैं संघ के प्रति भी यादव पूरी तरह से समर्पित रहे हैं तथा ओबीसी समुदाय से ताल्लुक रखने की वजह से ओबीसी समुदाय के लोगों में विश्वास जमाने के लिए भारतीय जनता पार्टी यादव पर बड़ा दावा खेल सकती है क्योंकि आजकल ओबीसी के वोट बैंक पर ही सब की निगाहें टिकी हुई है कांग्रेस और तमाम विपक्षी दल ओबीसी वोट बैंक को अपने कब्जे में करने के मकसद से ही जातिगत जनगणना की मांग उठा रहे थे जिस पर सरकार जातिगत जनगणना करने के लिए राजी भी हो गई है।

इस स्थिति में भूपेंद्र यादव की दावेदारी को काफी मजबूत बन जा रहा, भूपेंद्र यादव की आयु भी ज्यादा नहीं है तथा उन्हें पार्टी के संगठन के कामों की बारीकी से जानकारी है, भाजपा के कुशल रणनीतिकारों में उनकी गिनती होती है, भारतीय जनता पार्टी में संगठन में राष्ट्रीय स्तर पर कई बड़े पदों पर शानदार ढंग से अपनी जिम्मेवारी को निभा चुके हैं और भाजपा ने जिस जिस प्रदेश में उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी वहां पर उन्होंने बहुत बढ़िया काम करके दिखाया है इसलिए उनकी योग्यता और उनके कुशल राजनीतिक चतुराई को देखते हुए संघ और भाजपा दोनों भूपेंद्र यादव के नाम पर सहमति दे सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया में भारत का नया इतिहास रच डाला

किसी परमाणु संपन्न देश पर अटैक करने वाला भारत दुनिया का पहला राष्ट्र बना

इंडियन मिलिट्री की आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई में खूंखार आतंकवादी मुदस्सर उर्फ अबू जिंदाल, हाफिज मोहम्मद जमील, खालिद उर्फ अबू आसिफ, मोहम्मद हसन खान, मोहम्मद यूसुफ अजहर भी मर गया है

"ऑपरेशन सिंदूर अभियान में भारत ने 9 आतंकी कैंप तथा पाकिस्तान के 11 सैनिक ठिकानों को तबाह किया जिसमें आधा दर्जन जगह पर एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह से नष्ट कर दिया, करीब 100 से ज्यादा आतंकवादी मिट्टी में मिले तथा पाकिस्तान मिलिट्री के 40 अफसर और कर्मचारी मारे गए, पाकिस्तान मिलिट्री ने करीब 500 ड्रोन मिसाइल और लड़ाकू विमान से हमले किए लेकिन इनमें एक भी हमला सक्सेसफुल नहीं रहा, इन हमलों को भारत के मजबूत हवाई डिफेंस सिस्टम ने हवा में आसमान में ही उड़ा दिया, ऑपरेशन सिंदूर स्थगित हुआ है पूरी तरह से खत्म नहीं"

नई दिल्ली। भारतीय मिलिट्री के 'ऑपरेशन सिंदूर' अभियान ने पूरी दुनिया में युद्ध क्षेत्र में भारत के नाम का डंका बजा दिया है, पाकिस्तान के आतंकी कैंप और और पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर इंडियन मिलिट्री की ओर से की गई सक्सेसफुल करवाई ने दुनिया के विकसित राष्ट्रों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है क्योंकि यह पहला मौका है जब किसी परमाणु संपन्न देश पर किसी राष्ट्र ने बेवकूफ होकर हमला बोला और पूरी तरह से उसे झुकने पर मजबूर कर दिया, पाकिस्तान के पास भारत से ज्यादा परमाणु बम है और पाकिस्तान अपनी इस परमाणु शक्ति के आधार पर ही अपने पड़ोसी मुल्कों को समय

समय पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से गीदड़ धमकी देता रहा है लेकिन भारत ने कभी भी पाकिस्तान की इन धमकियों की परवाह नहीं की और इस बार पाकिस्तान को उसी के घर में घुसकर जिस तरह से इंडियन मिलिट्री ने पाकिस्तान इन मिलट्री और आतंकवादियों को मारा है और उन्हें घुटनों के बल लिटा कर रख दिया उसके बाद पाकिस्तान ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को एहसास हो गया है कि भारत दुनिया के किसी भी शक्तिशाली देश के किसी भी तरह के हमले को न केवल असफल करने की क्षमता रखता है बल्कि सक्सेसफुल जवाबी कार्रवाई की ताकत भी रखता है, करीब चार दिन तक भारत और पाकिस्तान में अघोषित युद्ध के हालात रहे और इन चार दिनों में पाकिस्तान को भारी मात्रा में नुकसान हुआ इसके अलावा पूरे वर्ल्ड में उनकी जग हसाई भी हुई क्योंकि भारत पर

इंडियन मिलिट्री ने कहां-कहां आतंकी कैंपों को किया नष्ट और कौन-कौन से खूंखार आतंकवादी हमले में मारे गए

इंडियन मिलिट्री की ओर से ऑपरेशन सिंदूर अभियान के तहत पाक अधिकृत कश्मीर में पांच जगह पर तथा पाकिस्तान में चार जगह पर आतंकी कैंपों पर सफलतापूर्वक हमले किए जिसमें 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए, इन हमलों मैं वह आतंकवादी भी मारे गए जो पूर्व में भारत में बड़ी-बड़ी आतंकवादी की घटनाओं को अंजाम दे चुके थे, मुंबई हमला, पुलवामा हमला,पठानकोट हमला, संसद हमला, कंधार विमान अपहरण कांड जैसी घटनाओं में शामिल आतंकवादियों के भी इस हमले में मारे जाने की पुष्टि हुई है इंडियन मिलिट्री की ओर से बाकायदा सैटेलाइट तस्वीरों के माध्यम से इन आतंकी ठिकानों की तबाही की फोटो मीडिया को बताई गई है, इंडियन मिलिट्री ने जिन आतंकी ठिकानों पर हमला किया उनमें 1. सवाई नाल मुजफ्फराबाद पाक अधिकृत कश्मीर 2. सैयदना बिलाल मुजफ्फराबाद पाक अधिकृत कश्मीर 3. गुलपुर कोटली पक पक अधिकृत कश्मीर 4. बरनाल पाक अधिकृत कश्मीर 5. अब्बास कोटली पाक अधिकृत कश्मीर 6. बहावलपुर पाकिस्तान 7. मुरीदके पाकिस्तान 8. सजल पाकिस्तान 9. मेहमूना जॉय पाकिस्तान शामिल है द्य इन सभी आतंकी कैंपों में जिहाद के नाम पर छोटे-छोटे बच्चों का ब्रेनवाश करके उन्हें आतंक का पाठ पढ़ाया जाता था और उन्हें ट्रेनिंग दी जाती थी, बहावलपुर एक बड़ा आतंकी ट्रेनिंग सेंटर और आतंकवादियों की पाठशाला का बड़ा गढ़ था।

यहां पर आतंकी संगठन का सरगना मसूद अजहर अपने परिवार के साथ रहता था हालांकि भारतीय सेवा की ओर से की गई यहां कार्रवाई में मसूद अजहर के मरने की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन मसूद अजहर के परिवार के 14 लोगों की मौत होने की खबर जरूर सामने आ रही है जिसमें मसूद अजहर के बच्चे, पत्नी ,भाई और अन्य रिश्तेदारों के करने की पुष्टि हुई है द्य मुरीद के आतंकी कैंप प्रमुख आतंकवादी हाफिज शहीद की एक तरह से प्रयोगशाला है हालांकि हाफिज इस समय पाकिस्तान की जेल में बंद है लेकिन समय समय पर वह वीडियो जारी करके और दुनिया की आंखों में धूल झोंक कर वह भारत की आंतरिक व्यवस्था को कमजोर करने के लिए और भारत में इस्लाम का शासन स्थापित करने के लिए जिहाद के नाम पर मुसलमान के छोटे-छोटे बच्चों का ब्रेन वास करके उन्हें आतंकी बना रहा है, इस काम में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तान की सेवा भी मसूद इस काम में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तान की मिलिट्री भी हाफिज का पूरा सहयोग करती है।

जनरल असीम मुनीर का बयान और पहलगाम में आतंकी अटैक पाकिस्तान पर पड़ा भारी

जम्मू कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल पहलगाम में गत 22 अप्रैल पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जो आतंकी हमला किया था उसमें दो दर्जन से ज्यादा पर्यटकों की मौत हुई थी आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर हिंदू पर्यटकों को गोली से उड़ाया था और फिर वहां मौजूद रोती बिलखती महिलाओं को यह कहकर जिंदा छोड़ दिया गया था कि उनके पति की मौत के बारे में मोदी को जाकर बताओ इसके बाद इस आतंकी घटना को लेकर पूरे भारत में जोरदार आक्रोश छाया हुआ था यहां तक की जम्मू कश्मीर में ही जम्मू कश्मीर के मुसलमान इस घटना के विरोध में सड़कों पर उतर आए थे पूरा देश इस घटना को लेकर गुस्से में था।

भारत सरकार गुस्से में थी और इंडियन मिलिट्री भी भारत सरकार के इशारे का इंतजार कर रही थी इस हमले से कुछ दिन पहले ही पाकिस्तानी मिलिट्री के प्रमुख असीम मुनीर ने हिंदुओं को लेकर जो बयान दिया था उसको लेकर भी मुनीर की भारत में चारों तरफ आलोचना हो रही थी बाद में जब पहलगाम में आतंकी हमला हुआ और इस हमले में आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर पर्यटकों के गोली मारी तो उसके बाद हर कोई कहने लग गया था और यह पूरी तरह से साफ उजागर भी हो रहा था की पहलगाम का हमला पाकिस्तान मिलिट्री की षड्यंत्र का हिस्सा था इसलिए पूरे भारत के लोग पाकिस्तान को जवाब देने की डिमांड कर रहे थे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत की मिलिट्री को पूरी तरह से फ्री हैंड दे दिया इसके बाद इंडियन मिलिट्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' अभियान की रूपरेखा तैयार की और फिर 7 मई को पाकिस्तान में अलग-अलग स्थान पर आतंकी कैंप को अपने सटीक हवाई वार के माध्यम से नष्ट कर दिया जिसमें पांच आतंकी ठिकाने पाक अधिकृत कश्मीर में और चार आतंकी ठिकाने पाकिस्तान में अलग-अलग जगह पर नष्ट किए गए।

किया गया उनका एक भी वार सफल नहीं हुआ, पाकिस्तानी मिलिट्री ने जम्मू कश्मीर, राजस्थान, पंजाब राज्यों के कई शहरों और सैनिक ठिकानों पर मिसाइल, ड्रोन और लड़ाकू विमान से हवाई हमले करने के प्रयास किया लेकिन भारत के हवाई डिफेंस सिस्टम ने इन सभी हवाई हमले को हवा में ही नष्ट कर दिया एक भी हमला पाकिस्तान का सफल नहीं हुआ जबकि यह सभी हमले चीन, तुर्की और ईरान से खरीदे गए उपकरणों और यंत्रों के माध्यम से किए गए थे लेकिन भारत के हवाई डिफेंस सिस्टम के आगे सारे हमले बेकार साबित हुए जबकि भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान में आधा

इन जगहों पर पाकिस्तान के सैनिक ठिकानों, रडार सिस्टम एयर डिफेंस सिस्टम को इंडियन मिलिट्री ने किया पूरी तरह से नष्ट

इंडियन मिलिट्री की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ की गई जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई जगहों पर सैनिक ठिकानों, रडार सिस्टम और एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह से सटीक बार के जरिए भारत ने तबाह कर दिया द्य जिन जगहों पर भारत की सेवा ने कार्रवाई की उनमें पाकिस्तानी मिलिट्री का प्रमुख 1.नूर खान जिसे चकलाला भी कहा जाता है यह रावलपिंडी में मौजूद है 2. पी एएफ रफी की शोरकोट 3. मुरीद के पंजाब 4. पसरूर 5 सरगोधा6. भोलारी 7. सियालकोट 8. गिलगित बालटिस्तान 9 शक्कर 10. स्कॉर्प शामिल है, इंडियन मिलिट्री ने इन सभी ठिकानों को पूरी तरह से मिट्टी में मिला दिया है भारी मात्रा में नुकसान हुआ है भारी मात्रा में पाकिस्तान मिलिट्री के सैन्य हथियार उपकरण इत्यादि नष्ट हुए हैं इंडियन मिलिट्री की ओर से की गई इस छोटी सी कार्रवाई में ही पाकिस्तान में भारी तबाही मचा कर रखती पाकिस्तानी मिलिट्री में घबराहट छा गई और खुद पाकिस्तानी मिलिट्री का प्रमुख असीम मुनीर अपनी जान को बचाने के लिए रावलपिंडी में मौजूद सैनिक मुख्यालय में सुरक्षित जगह पर जाकर छुप गया, इतनी बड़ी व्यापक तौर पर हुई तबाही से पाकिस्तानी मिलिट्री घबरा गई और पाकिस्तान मिलिट्री ने पाकिस्तान की सरकार से अमेरिका से युद्ध विराम के लिए हस्तक्षेप करने को कहा।

आतंकवाढियों और पाकिस्तानी मिलिट्री का है जबरदस्त याराना, मसूद अजहर के परिजनों के जनाजे में शामिल हुए कई पाकिस्तानी मिलिट्री के अधिकारी

पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों, पाकिस्तानी मिलिट्री और पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के बीच जोरदार याराना है यह तीनों ही मिलकर भारत की आंतरिक व्यवस्था को कमजोर करने के लिए समय-समय पर भारत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देते रहे हैं और घुसपैठ करवाते रहे हैं लेकिन अब भारत सरकार आतंकवादियों को लेकर अपनी रणनीति को स्पष्ट कर चुकी है और आतंकवादी घटनाओं को भारत सरकार अब युद्ध के रूप में देखेगी और जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर अभियान से पाकिस्तान में कई आतंकी ठिकानों को इंडियन मिलिट्री ने नष्ट किया आगे भी अगर पाकिस्तान ने आतंकी गतिविधियों को नहीं रोका तो फिर से इंडियन मिलिट्री ऑपरेशन सिंदूर अभियान को शुरू कर सकती है लेकिन बड़ी बात यह है कि अभी हाल ही में जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर अभियान में प्रमुख आतंकवादी मसूद अजहर के परिवार के 14 सदस्यों की मौत हुई तो इन सब के जनाजे में पाकिस्तानी मिलिट्री के आधा दर्जन बड़े अधिकारी शामिल हुए, मसूद अजहर को संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने भी आतंकवादी करार दिया हुआ है लेकिन पाकिस्तान मसूद अजहर को आतंकवादी करने को तैयार नहीं है, अब मसूद अजहर के परिजनों के जनाजे के समय पाकिस्तानी मिलिट्री के कई बड़े अधिकारी ही नहीं बल्कि पंजाब प्रांत विधानसभा के सदस्य भी शामिल हुए उससे साफ जाहिर है कि पाकिस्तान की मिलिट्री ही पाकिस्तान में आतंकवादियों को पैदा करने की फैक्ट्री बनी हुई है और कई बड़े आतंकवादी संगठनों के साथ मिलकर पाकिस्तान के मुस्लिम युवाओं को जिहाद के नाम पर आतंकवादी बना रही है इंडियन मिलिट्री की ओर से बाकायदा मसूद अजहर के परिजनों के जनाजे के कार्यक्रम में जो जो पाकिस्तानी मिलिट्री के अधिकारी शामिल थे उनके फोटो और नाम मीडिया को उपलब्ध कराए हैं, भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ इन सभी सबूत को संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रस्तुत करने जा रही है ताकि पूरी दुनिया को पता चल सके की पाकिस्तान खुद आतंकवादी पैदा कर रहा है।

दर्जन जगह पर पाकिस्तानी मिलिट्री के हवाई डिफेंस सिस्टम को नष्ट किया तथा अन्य आधा दर्जन पाकिस्तान के सैनिक ठिकानों पर भी इंडियन मिलिट्री ने सटीक हमले किए जिसमें पाकिस्तानी मिलिट्री का भारी मात्रा में नुकसान हुआ है भारत की इस कार्रवाई में पाकिस्तानी मिलिट्री के 40 अफसर और कर्मचारी मारे गए, सीजफायर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान की ओर से भविष्य में किसी भी तरह का कोई आतंकी हमला होगा तो भारत उसे युद्ध की तरह ही मानेगा।

पाकिस्तान ने खुद आतंकी कैंप को नष्ट नहीं किया तो भारत फिर से कर सकता है कार्रवाई

जानकारी के अनुसार भारतीय खुफिया एजेंसी ने इंडियन मिलिट्री को पाकिस्तान में संचालित होने वाले सभी आतंकी कैंपों की सूची इंडियन मिलिट्री को दी थी जिम पाकिस्तान में अलग-अलग जगह पर 21 बड़े आतंकी कैंपों के संचालन की बात कही गई थी उनमें अभी हाल ही में इंडियन मिलिट्री ने 9 आतंकी कैंपों को तबाह कर दिया है अब सीजफायर के निर्णय के बाद भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि पाकिस्तान खुद आगे बढ़कर पाकिस्तान में संचालित हो रहे आतंकवादियों के कैंपों को नष्ट करें अन्यथा इन आतंकी कैंपों की ओर से फिर से भारत में किसी भी तरह की कोई कार्रवाई की गई तो भारत युद्ध की तरह ही इन आतंकी कैंपों को नष्ट करेगा, यह बात खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश के नाम संदेश में कही है और इंडियन मिलिट्री के ऑफिसर्स भी लगातार कहते रहे हैं कि हमने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सिंदूर लगा दिया है और अब पाकिस्तान सुधर जाए अन्यथा हम मांग भरने के लिए भी तैयार हैं।

मुस्लिम जांबाज महिला ऑफिसर सोफिया कुरैशी से प्रेस ब्रीफिंग करवा कर इंडियन मिलिट्री और भारत सरकार ने पाकिस्तान मिलिट्री असीम मुनीर को दिया है कड़ा संदेश

ऑपरेशन सिंदूर अभियान और इंडियन मिलिट्री की ओर से पाकिस्तान में और पाक अधिकृत कश्मीर में की गई कार्रवाई के बारे में अधिकृत जानकारी देने के लिए इंडियन मिलिट्री में जांबाज महिला करनाल सोफिया कुरैशी और एक अन्य जांबाज महिला विंग कमांडर से प्रेस ब्रीफिंग करवा कर भारत सरकार और इंडियन मिलिट्री ने आतंकवादियों और पाकिस्तान मिलिट्री के प्रमुख मुनीर को यह कड़ा संदेश दिया है कि पाकिस्तान के आतंकवाद को जड़ से मिटाने के लिए इंडियन मिलिट्री की महिला ऑफिसर ही काफी है सोफिया कुरेशी इंडियन मिलिट्री में करनल है और पुणे में आयोजित 18 देश के युद्ध अभ्यास में सोफिया कुरैशी ने इंडियन मिलिट्री की टुकड़ी का नेतृत्व किया था, इस युद्ध अभ्यास कार्यक्रम में चीन अमेरिका, रूस ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड जैसे देश भी शामिल हुए थे इसके अलावा सफिया कुरैशी मुस्लिम है लेकिन आतंकवादी और पाकिस्तान मिलिट्री के प्रमुख जिहाद के नाम पर हिंदू और मुसलमान को आपस में एक दूसरे के खिलाफ भड़काने का काम कर रहे हैं और मुनीर ने पहलगाम हमले से पहले हिंदुओं को लेकर जिस तरह का बयान दिया था उस बयान के तोड़ के रूप में ही इंडियन मिलिट्री ने सफिया कुरैशी से संवाददाता सम्मेलन आयोजित करवाया और यह बताने का प्रयास किया कि भारत में रहने वाला प्रत्येक मुसलमान भारत के प्रति निष्ठावान है और आतंकवाद के खिलाफ पूरा भारत एकजुट है तरह से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी एक स्वर में भारत सरकार और इंडियन मिलिट्री का दिल से समर्थन किया और पाकिस्तान को लेकर जोरदार गुस्सा प्रकट किया और खुद को भारत का सच्चा मुसलमान बताया उससे पाकिस्तान में विराजमान आतंकवादियों और पाकिस्तान की मिलिट्री के अधिकारियों को अब यह एहसास जरूर हो गया है कि भारत में हिंदू मुस्लिम के बीच दीवार पैदा करने की जो कोशिश पाकिस्तान में लगातार की जा रही है अब उनकी यह कोशिश कामयाब नहीं होगी और पूरा हिंदुस्तान आतंकवाद को लेकर एकजुट है।

राजस्थान सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

जयपुर टाइम्स

(जयपुर एवं चूरू से एक साथ प्रकाशित)

जयपुर टाइम्स

10 वी के होनहारों को जेईई, नीट की मुफ्त कोचिंग कराएगी भजनलाल सरकार!

जयपुर टाइम्स

पीएम नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व और सेना के शौर्य के सम्मान में उमड़ा सोनीपत

जयपुर टाइम्स

आमजन का समग्र कल्याण हमारी प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

जयपुर टाइम्स

राइजिंग राजस्थान' के निवेश समझौतों को समयबद्ध पूर्ण कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल

जयपुर टाइम्स

पाकिस्तान ने गोली चलाई तो अब भारत चलाएगा गोला : मोदी

जयपुर टाइम्स

प्रदेशवासियों की सुरक्षा राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

जयपुर टाइम्स समाचार पत्र प्रतिदिन पढ़ने के लिए क्लिक करें

www.jaipurtimes.org

https://www.youtube.com/@JaipurTimes

@JaipurTimes2

@jaipurtimes.news

जयपुर टाइम्स में संवाददाता बनने के लिए, विज्ञापन एवं समाचार प्रकाशित करवाने के लिए सम्पर्क करें :-

Email- jaipurtimes2007@gmail.com (समाचारों के लिए)

Email- jaipurtimes.adv@gmail.com (विज्ञापनों के लिए)

मो. 7014217770

प्रधान कार्यालय- सी 588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, रोड़ नं. 14, सीकर रोड, जयपुर (राजस्थान)